छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 08 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 25 दिसम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

प्रबंधन मरीजों की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे-कलेक्टर

मेडिकल कॉलेज संबद्ध अस्पताल का निरीक्षण करके कहा-क्रमबद्ध समस्याएं होंगी दूर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के नवपदस्थ कलेक्टर अजीत वसंत ने बुधवार को राजमाता श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबंध चिकित्सालय का निरीक्षण किया। इसके पहले कलेक्टर ने बैठक लेकर अस्पताल प्रबंधन से चर्चा की और चिकित्सा व्यवस्था सहित अन्य जानकारी ली।

कलेक्टर ने निरीक्षण दौरान यहां की व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। उन्होंने अस्पताल की विभिन्न सेवाओं, वार्डों, ओपीडी, आपातकालीन कक्ष, दवा वितरण केंद्र, सीटी स्कैन, एमआरआई एवं साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मरीजों से सीधे संवाद करके उपचार, दवाइयों की उपलब्धता एवं स्टाफ के व्यवहार की भी जानकारी ली। मरीजों एवं उनके परिजनों द्वारा दी जा रही सेवाओं पर संतोष व्यक्त किया। कलेक्टर ने चिकित्सालय में मरीजों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए अधीक्षक एवं सिविल सर्जन को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर की स्वच्छता, अनुशासन एवं व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु आवश्यक सुझाव भी दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरीजों की सुविधा एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। सभी सेवाएं सुचारू रूप से संचालित हों। साथ ही चिकित्सालय में एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस उपलब्ध कराने हेतु आश्वासन दिया एवं चिकित्सालय के भवन में सीपेज प्रबंधन हेतु भी त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सीजीएमएससी की टीम को संबंधित कार्यों को पूर्ण करने हेतु निर्देश दिया। प्रबंधन को चिकित्सालय में आने वाले कोरवा, पण्डो मरीजों को बेहतर सुविधा, विशेष उपचार एवं देखभाल करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर.सी. आर्या, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को, सिविल सर्जन डॉ. जे.के. रेलवानी, डीपीएम डॉ. पुष्पेंद्र, सीजीएमएससी की टीम, अस्पताल सलाहकार स्वस्ति शुक्ला, डाइटीशियन सुमन सिंह सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

विशेष पिछड़ी जनजातियों का रखें ध्यान

निरीक्षण के लिए अस्पताल पहुंचे कलेक्टर अजीत वसंत ने विशेष पिछड़ी जनजाति के मरीजों को इलाज में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका ध्यान रखने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि पहाड़ी कोरवा, पंडो जनजाति विशेष के मरीजों को किसी प्रकार की जांच सुविधा के लिए भटकना न पड़े, इस कार्य में अस्पताल के कर्मचारी सहयोग करें।

समन्वय स्थापित करके समस्या करेंगे दूर

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध जिला अस्पताल के हमर लैब में रिएजेंट की उपलब्धता नहीं रहने से जांच में आने वाली दिक्कतों के परिप्रेक्ष्य में किए गए सवाल पर कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि राज्य सरकार से समन्वय स्थापित करके इस समस्या को दूर किया जाएगा। एनओसी की प्रक्रिया के कारण दिक्कत की स्थिति बनती है। स्थानीय स्तर पर खरीदी के लिए पूर्व में दिए गए स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश के परिप्रेक्ष्य में उन्होंने कहा कि इसके लिए सीजीएमएससी से एनओसी लेकर व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। अस्पताल परिसर के आसपास ठेले-गुमटी के बेतरतीब लगने से होने वाली दिक्कतों के सवाल उन्होंने आवश्यक कार्रवाई करने कहा है।

निगम के निर्माणाधीन कार्यालय को जनवरी तक पूर्ण करने के निर्देश

सरगुजा कलेक्टर अजीत वसंत ने बुधवार को नगर पालिक निगम, अंबिकापुर अंतर्गत संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं और जल शोधन संयंत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा को लेकर अधिकारियों को कड़े दिशा-निर्देश जारी किए।

ध्कलेक्टर ने सबसे पहले नगर पालिक निगम के निर्माणाधीन नवीन कार्यालय भवन का जायजा लिया। इस भव्य भवन का निर्माण 783.05 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है। कार्य की प्रगति देखते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों को निर्देशित किया कि भवन का शेष कार्य जनवरी 2026 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिया जाए। इसके पश्चात कलेक्टर ने कतकालो स्थित 15 एमएलडी जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण किया, और पेयजल की महत्ता को देखते हुए अभियंताओं को स्पष्ट निर्देश दिया कि आगामी ग्रीष्म ऋतु में शहरवासियों को जल संकट का सामना न करना पड़े, इसके लिए अभी से ही सुचारू प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना, एएचपी घटक के तहत वार्ड क्रमांक 02, सुभाषनगर में बन रहे आवासों का भी अवलोकन किया। यहां 22.04 करोड़ रुपये की लागत से कुल 17 ब्लॉकों में 493 आवासों का निर्माण अंतिम चरण में है। उन्होंने आयुक्त और अभियंताओं को निर्देश दिया कि कार्य को चरणबद्ध तरीके से पूर्ण कर शीघ्र ही हितग्राहियों को आवास आवंटित किए जाए। स्थल पर सुरक्षा हेतु बाउंड्री वॉल निर्माण का कार्य तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए। साथ ही आवास परिसर में अन्य नागरिक सुविधाओं को विकसित करने पर चर्चा की।

शांति व्यवस्था बनाए रखने सर्व धर्म एकता मंच ने आईजी को सौंपा ज्ञापन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सर्व धर्म एकता मंच के प्रतिनिधियों ने बुधवार को पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज, कलेक्टर सहित अन्य अधिकारियों को क्रिसमस त्योहार के मद्देनजर शांति व्यवस्था बनाए रखने एवं धर्म विशेष के त्योहार के दौरान इनकी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ज्ञापन सौंपा है। इसमें उल्लेख किया गया है कि सर्व समाज और चैम्बर ऑफ कामर्स के द्वारा धर्म विशेष के खिलाफ 24 दिसम्बर, बुधवार को छत्तीसगढ़ राज्य बंद का आह्वान किया गया। 25 दिसम्बर को देशभर में मसीही समुदाय के लोग प्रभु ईसा का जन्मदिवस हर्षोल्लास मनाते हैं। प्रभु ईसा के जन्म का धार्मिक रस्म 24 दिसम्बर से ही शुरू हो जाता है, और 25 दिसम्बर की शाम को समाप्त होता है। ऐसे में कानून व्यवस्था दुरूस्त रहे, इसकी मांग की गई है, ताकि बिना किसी डर, भय के पर्व लोग मना सकें, और एकता और सदभाव का संदेश हर धर्म के लोग निर्भाक होकर दे सकें। ज्ञापन सौंपने के दौरान फा. विलियम उर्रे, भानु प्रताप सिंह, कलीम अंसारी, वसीम अंसारी, अनिल सिंह कर्नल, जितेन्द्र सिंह सोढ़ी, आनन्द प्रकाश कुजूर, ब्लासियुस तिग्गा सहित अन्य उपस्थित थे।

कांकेर की घटना प्रदेश भाजपा सरकार की विफलता

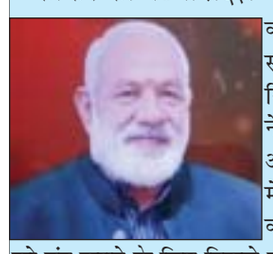

कांकेर की घटना प्रदेश की भाजपा सरकार की विफलता है। इस विफलता को छिपाने के लिए भाजपा ने चेहरा बदलकर बुधवार को अराजकता पूर्ण बंद कराया है। शहर में शांतिपूर्ण ढंग से व्यापार कर रहे कई व्यापारियों ने बताया कि दुकानों को बंद कराने के लिए निकले लोगों ने अभद्रता की, जो खेदजनक है। कांग्रेस लोभ, दबाव या धोखे से धर्मांतरण के सदैव खिलाफ रही है। सरकार ऐसे धर्मांतरण पर रोक लगाने के बजाय अपने चेहरे बदल कर समाज में वैमनस्य फैला रही है, जो अस्वीकार है।

बालकृष्ण पाठक
अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी, सरगुजा

अमेरा कोयला खदान के विस्तार को लेकर परसोड़ी कला में विरोध जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के परसोड़ी कला गांव के ग्रामीणों का अमेरा कोयला खदान के विस्तार को लेकर विरोध जारी है। इसी क्रम में 24 दिसंबर को पेसा एक्ट पंचायती राज विस्तार अनुसूचित क्षेत्र अधिनियम, 1996 के लागू होने की 29वीं वर्षगांठ पर ग्रामीणों ने स्वशासन दिवस मनाया और पेसा एक्ट और वन अधिकार अधिनियम जैसे कानूनों का प्रचार-प्रसार किया। इनके द्वारा खदान विस्तार का विरोध किया गया। पेसा एक्ट 24 दिसंबर 1996 को लागू हुआ था, जो अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासी समुदायों को ग्राम सभा के माध्यम से स्वशासन का अधिकार देता है। इसमें प्राकृतिक संसाधनों जल, जंगल, जमीन पर स्थानीय नियंत्रण, खनन परियोजनाओं के लिए ग्राम सभा की अनिवार्य सहमति और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा शामिल है। छत्तीसगढ़ में इसे कई वर्षों बाद नियमों के साथ लागू किया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि जिला प्रशासन और खनन कंपनियां एसईसीएल इसे लगातार अनदेखा कर रहा है। संयोजक जनसाय पोया, तिलासो बाई सहित अन्य ग्रामीणों ने कहा कि कोल बेयरिंग एक्ट 1957 का हवाला देकर अधिकारियों के द्वारा संविधान की गलत व्याख्या की जा रही है, जबकि पेसा कानून प्रमुख है। अमेरा ओपन कास्ट कोयला खदान का विस्तार हसदेव अरण्य क्षेत्र से जुड़ा है, जो जैव विविधता से भरपूर घना जंगल है। ग्रामीणों का कहना है कि खदान विस्तार से उनकी जमीन, जंगल और जल स्रोत नष्ट हो रहे हैं, जिससे आजीविका प्रभावित हो रही है। वे जल, जंगल, जमीन बचाओ के नारे के साथ लगातार संघर्ष कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि खदान विस्तार के लिए ग्राम सभा की सहमति नहीं ली गई, मुआवजा अपर्याप्त है और पर्यावरण क्षति हो रही है। वे संविधान की पांचवीं अनुसूची के तहत अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं। इस दौरान काफी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

ट्रेक्टर की ठोकर से बाइक चालक की मौत, एक का चल रहा उपचार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। धान लोड ट्रेक्टर की ठोकर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, एक का उपचार चल रहा है।

जानकारी के मुताबिक जशपुर जिला के सन्ना थाना अंतर्गत ग्राम सोहराई, कुबड़बथान निवासी लालदेव राम गिनीवार पिता सोहराई राम 22 वर्ष, मंगलवार को ग्राम कोरजकोना से बाइक में डूबोबाई को बैठाकर घर आ रहा था। ग्राम कपसेला में पुलिया के पास धान लोड ट्रेक्टर की ठोकर से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। जशपुर अस्पताल से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर इन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था, यहां इलाज के दौरान लालदेव राम की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

मसीही समाज के लोगों ने आतिशबाजी व केक काटकर मनाई खुशी

प्रभु यीशु के जन्म पर गिरिजाघरों में हुए विशेष धार्मिक अनुष्ठान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रभु यीशु के जन्मदिन पर गिरिजाघरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मसीही समाज के लोग अपने-अपने घरों को भी रंग-बिरंगी रोशनी से सजाए थे। 24 दिसंबर को शाम होते ही काफी संख्या में समाज के महिला-पुरूष व बच्चे गिरजाघरों में पहुंचना शुरू कर दिए थे। रात 9 बजे से अनुष्ठान शुरू हुआ। मुख्य आयोजन नावापारा गिरजाघर में आयोजित किया गया, यहां काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। रात 12 बजते ही गिरजाघर का घंटा बजने लगा और लोग प्रभु यीशु का जन्मोत्सव मनाने में जुट गए, आतिशबाजियां शुरू हो गई। गिरिजाघरों सहित समाज के लोगों ने अपने-अपने घरों में केक काटा और जश्न मनाया। इसके बाद बधाई का सिलसिला शुरू हो गया। मसीही समाज के लोग अपने-अपने घरों को क्रिसमस पर्व पर आकर्षक लाइट व एक्स-मस ट्री से सजाए थे। वहीं अपने-अपने घरों में भी आकर्षक चरनी तैयार किए थे। चरनी को भी आकर्षक लाइट से सजाया गया था। रात 12 बजते ही प्रभु यीशु का जन्मोत्सव मनाया गया। मुख्य आयोजन नवापारा स्थित महागिरजाघर में आयोजित किया गया। यहां काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। बिशप अंतोनिस बड़ा की अगुवाई में परंपरागत ढंग से विविध धार्मिक अनुष्ठान हुए। व्हीकल जनरल फादर विलियम उर्रे, पुरोहित फादर जार्ज ग्रे कुजूर के नेतृत्व में सारी तैयारी की गई थी। जिला मुख्यालय अंबिकापुर के अलावा मैनपाट, सीतापुर, बतौली, लुण्ड्रा, उदयपुर, दरिमा के गिरजाघरों में भी

क्रिसमस का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। लोगों ने केक काटा और आतिशबाजी की। इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गए। मसीही समाज के लोग पूरी रात नाचते-गाते नजर आए।

चरनी रहा आकर्षण का केंद्र

नवापारा गिरिजाघर के अलावा बिशप हाउस में क्रिसमस को लेकर चरनी आकर्षक ढंग से सजाए गए थे। क्रिसमस ट्री, विशेष लाइटिंग से चरनी जगमगा रहा था। 24 दिसंबर की रात 12 बजते ही लोगों ने केक काट कर जश्न मनाया और एक दूसरे को बधाइयां दीं। वहीं श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए गिरिजाघरों में विशेष व्यवस्था की गई थी।

शासन की मंशानुरूप करें कार्यः कलेक्टर

★ धान खरीदी व्यवस्था सुदृढ़ रखने राइस मिलर्स की बैठक संपन्न ★ धान उठाव में तेजी लाने दिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के सभी राइस मिलर्स की बैठक लेकर धान उठाव एवं चावल जमा से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि शासन की मंशानुरूप धान उठाव का कार्य समयबद्ध एवं सफलतापूर्वक संपादित हो, इसके लिए सभी समन्वय के साथ कार्य करें तथा धान उठाव में अपेक्षित सहयोग प्रदान करें। कलेक्टर श्री कटारा ने बताया कि जिले में धान खरीदी की प्रक्रिया सतत रूप से जारी है और उपार्जन केंद्रों में धान की आवक तेजी से हो रही है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए उन्होंने राइस मिलर्स को शीघ्र धान उठाव करने के निर्देश दिए, ताकि उपार्जन केंद्रों में किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो और किसानों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने राइस मिलर्स की समस्याएं भी गंभीरतापूर्वक सुनीं और उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। उन्होंने खाद्य अधिकारी को निर्देशित किया कि परिवहन व्यवस्था, धान उठाव एवं अन्य संबंधित व्यवस्थाओं की व्यक्तिगत रूप से सतत निगरानी रखें, जिससे संपूर्ण प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो सके।

कलेक्टर श्री कटारा ने बैठक में अनुपस्थित रहे राइस मिलर्स के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने उन्होंने कहा कि शासन के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री चेनत बोरघरिया, खाद्य अधिकारी श्री विनय कुजूर सहित संबंधित अधिकारी एवं राईस मिलर्स उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सीईओ ने तातापानी महोत्सव के तैयारियों की समीक्षा कर दिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। तातापानी महोत्सव संक्रांति परब 2026 के सफल आयोजन को लेकर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को उनके निर्धारित कार्यक्षेत्र के अनुरूप दायित्वों का गंभीरता एवं समयबद्ध तरीके से निर्वहन करने के निर्देश दिए।

जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि तातापानी महोत्सव का आयोजन पूर्व निर्धारित रूपरेखा के अनुरूप सुव्यवस्थित एवं गरिमामय ढंग से किया जाए। उन्होंने संक्रांति पर्व के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी लेते हुए विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राही मूलक योजनाओं पर आधारित स्टॉल तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने दुकान आबंटन, पार्किंग व्यवस्था, महोत्सव परिसर की साफ-सफाई एवं रंग-रोगन कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने की बात कही। साथ ही मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था,

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने दुकान आबंटन, पार्किंग व्यवस्था, महोत्सव परिसर की साफ-सफाई एवं रंग-रोगन हितग्राही मूलक योजनाओं के अंतर्गत सामग्री वितरण, तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों की भी जानकारी लेकर समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

प्रशासन की सतर्कता से धंधापुर उपार्जन केंद्र से 45 बोरी अवैध धान जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर की जा रही धान खरीदी को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन सतत निगरानी एवं कड़ी कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी रा. श्री देवेंद्र प्रधान के नेतृत्व में 45 बोरी अवैध धान जब्त किया गया।

विकासखंड राजपुर अंतर्गत धान खरीदी केंद्र धंधापुर में कृषक श्री मोहर लाल जायसवाल द्वारा विक्रय हेतु लाया गया जांच के दौरान 45 बोरी अवैध धान पाया गया। तत्पश्चात तहसीलदार श्री नरेंद्र कंवर एवं संयुक्त टीम के द्वारा जांच उपरांत नियमानुसार उक्त धान को जब्त कर लिया गया।

प्रशासन ने सभी कृषकों से अपील की है कि वे नियमानुसार धान ही विक्रय के लिए लाएं, ताकि खरीदी प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो। शासन की मंशानुरूप धान खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता, मिलावट अथवा पुराना धान खपाने के प्रयास पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिले के धान उपार्जन केन्द्रों में अब तक 891003.60 क्विंटल धान की खरीदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य जारी है और खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में किसानों से धान की खरीदी की जा रही है। किसानों से धान की खरीदी करने के लिए 49 सहकारी समितियों के अंतर्गत 49 धान उर्पाजन में अब तक कुल 891003.60 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। साथ ही 7800 क्विंटल धान मीलिंग हेतु राईस मिलरों द्वारा उठाव कर लिया गया है। कलेक्टर के निर्देशानुसार अवैध धान पर लगातार कार्यवाही भी की जा रही है।

जिले के सहकारी समिति कपिलदेवपुर में 13283.60 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। इसी प्रकार बादा में 9569.20, कुसमी में 15924.40, जवाहरनगर में 8960.40, कामेश्वरनगर में 38982.80, कोदवा 4929.60, गोपालपुर में 13129.20, भेंडरी 7908.40, चांदो में 28744.40, जमड़ी में 36956.80, जिगड़ी में 8215.60, जोकापाट (भरतपुर) में 4250.80, डूमरपान में 20392.80, डिण्डो में 26004.40, डीपाडीह में 11450.80, डोंगरो में 11678.40, गांजर में 8528.80, त्रिकुण्डा में 24163.60, बगरा में 14711.20, तातापानी में 18946, धंधापुर में 25115.60, डौरा में 15358, पस्ता में 9345.60, बड़कागांव में 27722, बरतीकला में 23047.20, बरदर में 16150.80, आरा में 7734.40, बरियों में 23200, बलंगी में 16201, बलरामपुर में 26500, बसंतपुर में 24120.80, भुलसीकला में 7339.60, भंवरमाल में 29920, रामानुजगंज में 18626.80, महाराजगंज में 31341.20, महावीरगंज में 15511.60, विजयनगर में 26738.80, रघुनाथनगर में 17878.40, रनहत में 14778.80, राजपुर में 34498.80, दोलंगी 14123.60, रामचन्द्रपुर में 12196.40, रामनगर में 23929.60, वाड्रफनगर में 14627.20, स्याही में 15665.20, विरेन्द्रनगर में 28292, सरना में 19065.20, सेवारी में 20224.40 एवं सामरी में 5018.80 क्विंटल धान किसानों से खरीदी की गयी है।

स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार से परिवार नियोजन को मिला नया आयाम

जिला चिकित्सालय में लेप्रोस्कोपिक पद्धति से 18 महिलाओं की हुई सफल नसबंदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन एवं सिविल सर्जन डॉ. शशांक गुप्ता सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक के नेतृत्व में जिला चिकित्सालय बलरामपुर में परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत महिला नसबंदी (एलटीटी) का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रश्मि तिवारी एवं डॉ. अनिमेष सिंह की टीम के समन्वय से कुल 12 महिलाओ का लेप्रोस्कोपिक पद्धति से नसबंदी सफलतापूर्वक की गई। डॉ. रश्मि तिवारी द्वारा लेप्रोस्कोपिक तकनीक से दूरबीन पद्धति के माध्यम से बच्चादानी का ऑपरेशन किया गया, जिसमें किसी प्रकार का बड़ा चीरा नहीं लगाया गया। सभी हितग्राही सुरक्षित एवं स्वस्थ हैं। लंबे अंतराल के पश्चात अब जिला चिकित्सालय बलरामपुर में परिवार नियोजन के स्थायी साधनों की सेवाएं नियमित रूप से साप्ताहिक रूप में प्रारंभ की गई हैं। इसके अंतर्गत अब सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को न्यूनतम 10 महिला हितग्राहियों की एलटीटी महिला नसबंदी जिला चिकित्सालय में की जाएगी। अब तक कुल 18 महिलाओं का सफलपूर्वक नसबंदी किया गया है। साथ ही जिला चिकित्सालय में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा महिला प्रसूति रोग, बच्चादानी एवं अंडकोष से संबंधित जांच एवं उपचार की सुविधा भी लेप्रोस्कोपिक विधि से उपलब्ध कराई जा रही है। गर्भाशय की जांच एवं आवश्यक ऑपरेशन भी अब दूरबीन पद्धति से बिना चीरा लगाए किए जा रहे हैं, जिससे मरीजों को कम दर्द, शीघ्र स्वस्थ होने और सुरक्षित उपचार का लाभ मिल रहा है। प्रशासन की यह पहल जिले में सुरक्षित मातृत्व, परिवार नियोजन और उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

समयबद्ध और सरल धान खरीदी से किसान संतुष्ट

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर की जा रही धान खरीदी की सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं किसान हितैषी व्यवस्था से जिले के किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। चालू खरीफ विपणन वर्ष में 15 नवंबर से प्रारंभ हुई धान खरीदी प्रक्रिया ने किसानों का भरोसा मजबूत किया है और उन्हें उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित हो रहा है।

जिले के विकासखंड बलरामपुर अंतर्गत ग्राम संतोषीनगर निवासी प्रगतिशील किसान श्री सुस्ती चंद्रकर ने इस वर्ष उत्पादित लगभग 246 बोरी धान को बरदर धान उपार्जन केंद्र में शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर विक्रय किया। श्री चंद्रकर ने बताया कि टोकन कटवाने से लेकर धान की तौल और खरीदी तक की संपूर्ण प्रक्रिया सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध रही। धान उपार्जन केंद्र पहुंचने पर उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। निर्धारित

समय में तौल कर सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण कर ली गईं और बिना किसी व्यवधान के धान की खरीदी संपन्न हुई।

धान उपार्जन केंद्र में सुचारू व्यवस्था, कर्मचारियों के सहयोग एवं पारदर्शी प्रणाली से संतुष्ट होकर श्री चंद्रकर ने शासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिल रही है। श्री सुस्ती चंद्रकर ने बताया कि धान विक्रय से प्राप्त राशि का उपयोग वे आगामी फसल उत्पादन में करेंगे। बेहतर बीज, उन्नत खाद, कृषि सुधार एवं आधुनिक तकनीकों में निवेश कर वे फसल उत्पादन को और अधिक बेहतर बनाने की योजना बना रहे हैं। उन्हें विश्वास है कि शासन की निरंतर सहायता से आगे भी बेहतर उत्पादन और आय में वृद्धि होगी। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था से सुस्ती चंद्रकर जैसे किसानों को न केवल आर्थिक संबल मिल रहा है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और भविष्य के प्रति आश्वस्त भी बना रही है।

कोयला मजदूर सभा ने श्रमिक कल्याण समिति में नरेंद्र को किया शामिल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयला मजदूरों के हितों की रक्षा और श्रमिक कल्याण को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में कोयला मजदूर सभा एचएमएस बिश्रामपुर क्षेत्र ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सभा द्वारा क्षेत्रीय सचिव नरेन्द्र सिंह चौहान को श्रमिक कल्याण समिति का सदस्य नामित किया गया है। यह नामांकन सभा के उप महामंत्री अरविंद सिंह की अनुशंसा के आधार पर किया गया है। कोयला मजदूर सभा बिश्रामपुर क्षेत्र के महामंत्री देवेन्द्र मिश्रा द्वारा 23 दिसंबर को क्षेत्रीय महाप्रबंधक को इस बाबत पत्र जारी किया गया है।

मतदाता सूची प्रकाशन के संबंध में राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित

★ राजनीतिक दलों को बूथवार मुद्रित व डिजिटल प्रारूप मतदाता सूची की प्रतियां करायी गई उपलब्ध
★ 22 जनवरी तक दावा-आपत्ति, मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी को

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशन के संबंध में संयुक्त जिला कार्यालय में विभिन्न राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित किया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चेतन बोरघरिया ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जिले में संपादित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसआईआर कार्यक्रम के अनुसार प्रारूप (ड्रॉफ्ट) मतदाता सूची 23 दिसम्बर 2025 को प्रकाशित की गई। इस दौरान मतदाता सूची की बूथवार मुद्रित व डिजिटल प्रतियां सभी राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराई गयी। साथ ही बताया गया कि समस्त जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ की वेबसाइट ceochhattisgarh.nic.in, oa ftys

dh osclkbV balrampur.gov.in पर अपलोड की गई है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में दावा एवं आपत्ति 23 दिसम्बर से 22 जनवरी 2026 के दौरान पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने तथा अपात्र नाम काटने के लिए आवेदन किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने बताया कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिसकी आयु 1 जनवरी 2026 को या उससे पहले 18 साल के हो गए हैं या 1 अक्टूबर 2026 तक हो जाएंगे, उन्हें फार्म-6 में घोषणा पत्र के साथ आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। सभी योग्य युवा मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में जोड़ने के लिए विशेष शिविर लगाए जाएंगे।

बैठक में बताया गया कि सभी मतदाताओं एवं सभी राजनीतिक दलों की सहभागिता से 18 दिसम्बर 2025 तक जिले में कुल 04 लाख 49 हजार 731 मतदाताओं में से 04 लाख 15 हजार 289 मतदाताओं ने अपने गणना पत्रक जमा किए, जो एसआईआर के प्रथम चरण में व्यापक सहभागिता को दर्शाता है। इस चरण की सफलता उप जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ ही 2 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 9 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा 683 मतदान केंद्रों पर तैनात बीएलओ के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

शासन की योजनाओं ने खोले स्वरोजगार के नए द्वार

★ मछली पालन बना स्थायी आय का जरिया ★ बढ़ती आय से खुशहाल जीवन की ओर अग्रसर हुए मुन्नालाल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभाव धरातल पर दिखाई देने लगा है। मत्स्य पालन को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से लागू योजनाओं से लाभ लेकर मछली पालन करने वाले किसान आर्थिक रूप से संपन्नता की ओर अग्रसर हो रहे हैं, जिससे उनके जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड वाड्रफनगर अंतर्गत ग्राम हरिगंवा निवासी श्री मुन्नालाल गोलदार ने मत्स्य पालन को अपनाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है।

श्री मुन्नालाल गोलदार, जो पहले पारंपरिक खेती से सीमित आय अर्जित कर रहे थे, वे अब मत्स्य विभाग के मार्गदर्शन में शासन की योजनाओं का लाभ लेते हुए हरिगंवा जलाशय को पट्टे/लीज पर लेकर मत्स्य

पालन व्यवसाय की शुरुआत की। उन्होंने सघन मत्स्य पालन तकनीक को अपनाते हुए रोहू, कतला, मृगल एवं कॉमन कार्प जैसी उन्नत प्रजातियों का पालन किया। उनके सतत प्रयासों और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से आज उन्हें मत्स्य पालन से प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हो रहा है। इस व्यवसाय में उनके परिवार का भी सक्रिय सहयोग मिल रहा है, जिससे रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। श्री मुन्नालाल ने बताया कि स्थानीय बाजार में मछलियों की निरंतर मांग होने के कारण उनकी उपज आसानी से बिक जाती है और वे इस व्यवसाय से संतुष्ट एवं खुश हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में वे अपने तालाब के समीप कुक्कुट शेड स्थापित कर आय के स्रोतों को और अधिक बढ़ाने की दिशा में प्रयासरत हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा मत्स्य पालन को बढ़ावा देने हेतु मछुआरों एवं कृषकों को तालाब निर्माण, आवश्यक उपकरण, परिपूरक आहार एवं मत्स्य बीज के लिए अनुदान प्रदान किया जा रहा है।

शासन की इन योजनाओं से श्री मुन्नालाल जैसे प्रगतिशील किसानों के प्रयासों ने जिले में मत्स्य पालन को लाभकारी एवं स्थायी व्यवसाय के रूप में स्थापित किया है। उनकी यह सफलता क्षेत्र के अन्य किसानों को भी मत्स्य पालन अपनाने के लिए प्रेरित कर रही।

खदान प्रभावित गांव के 122 परिवारों को किया कंबल वितरण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। इलाके में पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए एसईसीएल बिश्रामपुर की शिवानी महिला समिति बिश्रामपुर द्वारा बुधवार को सामाजिक उत्तरदायित्व योजना अंतर्गत कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शीत ऋतु के दौरान जरूरतमंद महिलाओं एवं उनके परिवारजनों को ठंड से राहत प्रदान करना तथा उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में शिवानी महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती अल्पना सिंह ने सभी लाभार्थियों से मुलाकात कर उनका उनका कुशल क्षेम जाना। अपने संबोधन में उन्होंने सर्दी से बचाव के उपायों पर प्रकाश डालते हुए अत्यधिक ठंड में अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने, नियमित रूप से धूप लेने तथा परिवार के सदस्यों विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की अपील की।

इस अवसर पर शिवानी महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती अल्पना सिंह के साथ समिति की उषा शर्मा, स्नेहा अट्टल, सुनीता कुमारी, जया रमन्ना, महिमा सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में लाभार्थियों के रूप में आरजीके क्षेत्र से 50, कुम्दा क्षेत्र से 31 तथा आमगांव क्षेत्र से 41 महिलाओं एवं उनके परिवारजनों सहित 122 परिवारों को कंबल वितरित किए गए। शिवानी महिला समिति बिश्रामपुर द्वारा आयोजित इस जनकल्याणकारी कार्यक्रम की लाभार्थियों ने प्रशंसा कर भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक एवं सेवा कार्यों के निरंतर आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की है।

गणित दिवस पर मैथेमेटिक्स, आर्ट एंड क्रिएटिविटी थीम पर हुआ 4 दिवसीय शैक्षणिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर।राष्ट्रीय गणित दिवस पर यहां के रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय में 16, 17, 19 एवं 22 दिसंबर को चार दिवसीय शैक्षणिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान परिषद रायपुर,राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान परिषद, डी. एस.टी., भारत सरकार नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित हुआ।इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के गणित में दिए अद्वितीय योगदान को स्मरण करने तथा विद्यार्थियों में गणित विषय के प्रति रुचि जागृत करना, उनकी तार्किक एवं विश्लेषणात्मक सोच को विकसित करना तथा गणित को कला और रचनात्मक अभिव्यक्ति से जोड़कर सरल एवं रोचक रूप में प्रस्तुत करना रहा। आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच. एन. दुबे के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में किया गया। उद्घाटन अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. दुबे ने कहा कि गणित केवल संख्याओं और सूत्रों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में निर्णय क्षमता, अनुशासन और समस्या समाधान की नींव रखता है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में नवाचार, कल्पनाशीलता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करते हैं।कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता उज्ज्वल विशाल ने मैथेमेटिक्स, आर्ट एंड क्रिएटिविटी विषय पर प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने गणित और कला के अंतसंबंधों को उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट करते हुए बताया कि गणितीय संरचनाएँ किस प्रकार चित्रकला, वास्तुकला, संगीत एवं डिजाइन में सौंदर्य और संतुलन उत्पन्न करती हैं। चार दिवसीय आयोजन के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए गणितीय मॉडल एवं पोस्टर प्रदर्शनी, गणित क्विज, भाषण प्रतियोगिता, गणितीय पहेलियाँ तथा विशेष व्याख्यान सत्र आयोजित किए गए। इन गतिविधियों में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी सृजनात्मक एवं बौद्धिक क्षमताओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। गणितीय रंगोली एवं मॉडल प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। कार्यक्रम के संचालन एवं समन्वय टी. आर. राहंगडाले की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर गणित के सहायक प्राध्यापक दीपचंद एक्का एवं भौतिकी के सहायक प्राध्यापक अनिल कुमार चक्रधारी सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण ने सक्रिय सहभागिता निभाई और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में अतिथि प्राध्यापक, अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।समापन दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन ने विद्यार्थियों में गणित के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के साथ-साथ रचनात्मकता एवं नवाचार को भी नई दिशा प्रदान की।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु 15 जनवरी तक ऑनलाइन पंजीयन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। आदिवासी विभाग के सहायक आयुक्त से प्राप्त जानकारी अनुसार सरगुजा जिला में संचालित समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक आदि के प्राचार्य/संस्था प्रमुख, छात्रवृति प्रभारी एवं उनमें अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों जो आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति की पात्रता रखते हैं, उनके लिए शिक्षा सत्र 2025-26 हेतु ऑनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही वेबसाइट पर ऑनलाइन की जा रही है। जिसके अंतर्गत विभाग द्वारा 2025-26 में विद्यार्थी द्वारा ऑनलाईन/पंजीयन हेतु नवीन एवं नवीनीकरण आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 15 जनवरी 2026 तक है। ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक करने की अंतिम तिथि 05 फरवरी 2026 तक, सेंक्शन लॉक करने की अंतिम तिथि 08 फरवरी 2026 तक, जिला कार्यालय द्वारा भुगतान हेतु राज्य कार्यालय को प्रेषित करने करने की अंतिम तिथि 10 फरवरी 2026 तक एवं छात्रवृत्ति भुगतान करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी 2026 तक निर्धारित किया गया है। निर्धारित तिथि के पश्चात सत्र 2025-26 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ऑनलाइन आवेदन हेतु पोर्टल बंद कर दिया जाएगा।

प्रशासन गांव की ओर अभियान समाधान शिविर में 179 हितग्राही हुए लाभान्वित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर।जिले के उदयपुर जनपद पंचायत में विकासखंड स्तरीय प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत जन समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया साथ ही हितग्राही मूलक योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के माध्यम से कुल 179 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। जिसमें राजस्व विभाग से 38, विद्युत विभाग से 35, कृषि विभाग से 27, पशुपालन विभाग से 12, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से 9 तथा मछली पालन विभाग से 8 हितग्राही लाभान्वित हुए। शिविर के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को विकसित भारत ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) की विस्तृत जानकारी दी गई। इस मिशन के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित कर युवाओं, महिलाओं एवं ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगार, कौशल विकास एवं आजीविका संवर्धन से संबंधित जानकारी साझा की गई। साथ ही शिविर में उपस्थित जनप्रतिनिधियों को मिशन से संबंधित कंडिका (सूचनात्मक सामग्री) का वितरण भी किया गया, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में आमजन को योजनाओं की सही जानकारी देकर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित कर सकें।

हरित समृद्धि की ओर मजबूत कदम, उद्यानिकी प्रशिक्षण से सशक्त होंगे किसान और युवा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में उद्यानिकी विभाग द्वारा आत्मनिर्भरता की दिशा में दूरदर्शी पहल की गई है। जिला खनिज न्यास डीएमएफ निधि के प्रभावी उपयोग से जिले के किसानों एवं स्थानीय युवक युवतियों को उद्यानिकी क्षेत्र में सशक्त बनाने के उद्देश्य से सुशासन सप्ताह पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, जो भविष्य में जिले की उद्यानिकी को नई दिशा और मजबूती प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप एवं कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में जिले में ग्राफ्टेड टमाटर, बैंगन एवं अन्य उद्यानिकी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु विशेष प्रशिक्षण अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस पहल के तहत किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ते हुए ग्राफ्टेड सब्जी उत्पादन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे सब्जियों की बढ़ती मांग को पूरा करने में किसानों को नई ताकत मिलेगी। अब तक जिले के किसानों को ग्राफ्टेड पौधों के लिए बाहरी एजेंसियों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे समय, लागत और उपलब्धता की समस्याएं सामने आती थीं। इस स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने जिले में ही ग्राफ्टेड पौधे तैयार करने के लिए कौशल विकास आधारित माली प्रशिक्षण योजना लागू की है, जिससे किसानों की बाहरी निर्भरता कम होगी। इस उद्देश्य से कलेक्टर जयवर्धन द्वारा डीएमएफ निधि से उद्यानिकी विभाग को माली प्रशिक्षण हेतु राशि उपलब्ध कराई गई है। इसके अंतर्गत जिले की दो प्रमुख शासकीय उद्यान रोपणियां विकासखंड सूरजपुर के दतिमा और विकासखंड प्रतापपुर के खोरमा उद्यान में 30-30 कुल 60 हितग्राहियों को निःशुल्क माली प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान लाभार्थियों को कटिंग, बडिंग एवं ग्राफ्टिंग द्वारा पौधा तैयार करने की आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान दिया जा रहा है। इसके साथ ही प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात उद्यानिकी टूल-किट भी प्रदान की जाएगी, ताकि प्रशिक्षित हितग्राही तुरंत अपने कार्य की शुरूआत कर सकें। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिले में रोजगार सृजन, उत्पादन वृद्धि और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल किसानों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय युवक-युवतियों के लिए स्वरोजगार और उद्यमिता के नए अवसर भी सृजित होंगे। साथ ही ग्राफ्टेड पौधों की सुलभ उपलब्धता, लागत में कमी, गुणवत्ता में सुधार और उद्यानिकी उत्पादन में वृद्धि जैसे सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

ग्राम गौरवपथ योजना के तहत विधायक भूलन ने किया सड़क निर्माण का भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

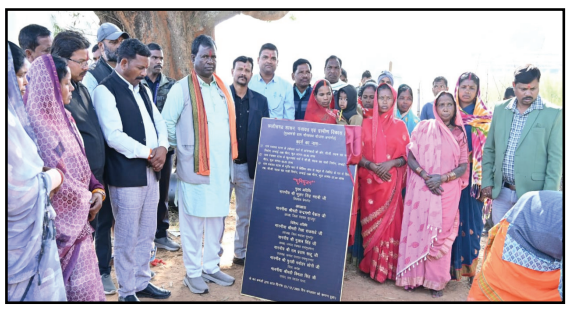

सूरजपुर।प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री ग्राम गौरवपथ योजना के अंतर्गत ग्रामीण आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं।इसी क्रम में विधायक भूलन सिंह मरावी की पहल पर ग्राम तेलईकछार, पटना एवं केंदरई में सीसी सड़क सह नाली निर्माण कार्यों की स्वीकृति मिली है, उक्त निर्माण कार्य का विधायक श्री मरावी ने भूमि पूजन किया। इसी तरह ग्राम पंचायत पटना में योजना के तहत तीन प्रमुख सीसी सड़क परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। इनमें हरार्पारा से आंगनबाड़ी केंद्र तक 500 मीटर लंबी सीसी सड़क एवं नाली का निर्माण किया जाएगा, जिसकी अनुमानित लागत 39.83 लाख है। वहीं खुटनपारा मार्ग में 500 मीटर लंबी सीसी सड़क एवं नाली का निर्माण 39.83 लाख, भूरीर्पारा में बिछिया बांध से स्कूल होते हुए तिराहा तक 500 मीटर लंबी सीसी सड़क एवं नाली का निर्माण प्रस्तावित है, जिसकी लागत 37.48 लाख है। इन सड़कों के निर्माण से पंचायत के विभिन्न टोलों की आपसी कनेक्टिविटी बेहतर होगी तथा ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।इसी कड़ी में ग्राम केंदरई में चारपारा मंदिर से नदी तक 500 मीटर लंबी सीसी सड़क सह नाली का निर्माण किया जाएगा, जिसकी लागत 76.86 लाख है। यह सड़क गांव की प्रमुख मार्गों से जुड़कर पूरे क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी।पटना पंचायत में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में विधायक के साथ रामानुजनगर मंडल अध्यक्ष पवन सिंह , जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि राजलाल राजवाड़े, विधायक प्रतिनिधि संत साहू, धनवीर, नीरज कुमार गुप्ता, पवन साहू ,पंचायत पदाधिकारी, पूर्व सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने की अपेक्षा व्यक्त की गई।इस अवसर पर विधायक श्री मरावी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पक्की सड़कों और नालियों का निर्माण विकास की बुनियाद है। इससे न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और बाजार तक पहुंच भी आसान बनेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है।

30 नए आरक्षकों को एसएसपी ने दिया नियुक्ति प्रमाण-पत्र

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पुलिस विभाग में नवनियुक्त 30 आरक्षकों को नियुक्ति प्रमाण पत्र दिया गया। कलेक्टर एस. जयवर्धन की मौजूदगी में एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने मंगलवार को कार्यक्रम आयोजित कर सभी को नियुक्ति आदेश एवं नियुक्ति प्रमाण पत्र दिया। इन नव आरक्षकों की भर्ती आरक्षक संवर्ग वर्ष 2023-24 के तहत हुई है। अभ्यर्थियों ने जिला पुलिस बल सूरजपुर में आरक्षक जीडी के पद पर ज्वाइनिंग दर्ज कराई। इस अवसर पर कलेक्टर व एसएसपी ने नव आरक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा की भावना के साथ उत्कृष्ट कार्य करने का संदेश दिया। नव नियुक्त आरक्षकों में महेन्द्र कुमार, संजय पैंकरा, संदीप सिंह, फलेश्वर राजवाड़े, संगीता मार्को, राजकुमार, भुवनकांत रायल, पुनिता सिरदार, चंदा, विवेक कुमार गुप्ता, नम्रता कुशवाहा, सुषमा, गायत्री राजवाड़े, सोहन सिंह, सुरेन्द्र कुमार पैंकरा, देवेन्द्र कुमार, राना सिंह, पूर्णिमा, बगर साय, छाया पैंकरा, त्रिनेश्वर सिंह, दामोदर सिंह, अरूण कुमार सिंह, नर्मदा सिंह, रवि सिंह, अजय कुमार पैंकरा, सुनिता सिंह, अविनाश कुमार, शोभा एवं लता भारती शामिल है।

सड़क हादसे में एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत, परिजनों से मिले विधायक, जताई संवेदना

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विगत दिनों इलाज के लिए बिलासपुर जाते समय एनएच 130 पर तानाखार के समीप हुए भीषण सड़क हादसे में शहर के एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं इस हादसे में परिवार के दो सदस्य गम्भीर रूप से आहत है जिनका उपचार रायपुर के अस्पताल में चल रहा है। इस दर्दनाक हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। घटना की जानकारी मिलने पर मंगलवार को क्षेत्र के विधायक भूलन सिंह मरावी मृतकों के परिजनों से मिलने उनके निवास पर पहुंचे थे। जहाँ उन्होंने मृतकों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और इस हादसे में गंभीर रूप से दोनों आहतो के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। विधायक मरावी ने परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिलाते हुए कहा कि वे स्वयं रायपुर जाकर घायलों से मुलाकात करेंगे और अपने स्तर पर हर संभव सहायता उपलब्ध कराएंगे। इस दौरान विधायक के साथ भाजपा जिला महामंत्री शशिकांत गर्ग सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी भी मौजूद रहे जिन्होंने भी गहरा शोक व्यक्त किया। ज्ञात हो कि बीते शनिवार की सुबह शहर के मस्जिदपारा निवासी युवक 34 वर्षीय अजहर शेख उर्फ जुगनू, 26 वर्षीय तौकीर उनकी माँ 48 वर्षीय शबाना शेख, 37 वर्षीय शेख अब्दुल्ला उर्फ पंकज एवं उनकी पत्नी 33 वर्षीया साबिया शेख अल्टो कार से इलाज के लिए बिलासपुर जा रहे थे। इस दौरान घने कोहरे के कारण कटघोरा थाना क्षेत्र के ग्राम तानाखार के पास उनकी कार सामने से आ रहे टैंकर से जा टकराई। इस भीषण हादसे में अजहर शेख उर्फ जुगनू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल अपोलो अस्पताल बिलासपुर ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान तौकीर की मौत हो गई एवं रायपुर ले जाने के दौरान रास्ते मे उनकी माँ शबाना शेख ने भी दम तोड़ दिया। इस हादसे में गम्भीर रूप से आहत शेख अब्दुल्ला उर्फ पंकज और उनकी पत्नी साबिया शेख का रायपुर में इलाज चल रहा है। बताया गया है कि मृतक तौकीर की अगले माह शादी होने वाली थी, जिससे परिवार में खुशी का माहौल था, जो इस हादसे के बाद गहरे मातम में बदल गया।

किसानों के उत्थान हेतु भौतिकता के साथ आध्यात्मिकता जरूरी ब्रह्माकुमारी विद्या

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। ग्राम असकला में राष्ट्रीय किसान दिवस एवं नशा मुक्त जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी ने कहा कि किसानों को अन्नदाता की संज्ञा दी गई है और वे देश की आबादी का 70% हिस्सा हैं।उन्होंने नशे के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि नकारात्मक भावनाएं और खान-पान विशेष नशे के कारण व्यसन पूरे प्राकृतिक वातावरण को दूषित कर रहा है।ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी ने नशा मुक्ति के लिए आह्वान किया और कहा कि हमें भौतिकता के साथ आध्यात्मिकता को अपने जीवन में अपनाना होगा।- उन्होंने मेडिटेशन के द्वारा प्रकृति को सकाश एवं धन्यवाद देकर शांति का वाइब्रेशन फैलाने की बात कही।ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी ने आध्यात्मिक ज्ञान के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि परमात्मा सर्वशक्तिमान है और हमें आत्माओं का पिता होने के कारण आपसी संबंध में भाई-भाई हैं। जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव ने युवाओं को नशा मुक्त करने के लिए दीदी से निवेदन किया और कहा कि महिलाएं, बहनें भी जागरूक होंगे तो नशा मुक्त में सहयोग मिलेगा। हलीम फिरदौसी ने बताया कि लुण्ड्रा क्षेत्र नशे की जाल में फंसा हुआ है और लोगों को नशे से बचने के लिए जागरूक करने की जरूरत है। अजय तिवारी ने भी किसानों के प्रति अपने विचार व्यक्त किया कि जब ध्यान करेंगे तो ज्ञान के साथ विवेक जागेगा किसी का सर झुके ऐसा नशा नहीं करना है बल्कि अच्छे काम का, सेवा का नशा, अच्छा कृषि का नशा, संपन्न योगी का नशा करना है।पूर्व सरपंच राजेश्वर पैंकरा ने अपने अनुभव में बताया कि नशा के बिना कोई रह नहीं सकता है और नशे की लत मुझे भी था लेकिन अब वह नशा परिवर्तन हो परमात्म नशा में परिवर्तन हो चुका है। कार्यक्रम के दौरान बीके विद्या, देवनारायण यादव, हलीम फिरदौसी द्वारा नशा मुक्ति और प्रगतिशील किसानों जैसे लखेश्वर प्रसाद पैकरा, राजेश्वर पैकरा, ननकू साव, उदर पैकरा, कृष्णा प्रसाद पैकरा, रूदन प्रसाद पैकरा, प्रदीप पैकरा, सेतु राम नागेश, चोलेश्वर प्रसाद यादव, इंद्र कुमार कुंवर पैकराको गोल्डन पट्टा, स्लोगन और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

26 को होगी रेडक्रॉस सोसाइटी प्रबंध समिति की बैठक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी प्रबंध समिति की बैठक 26 दिसंबर को कलेक्टर एस जयवर्धन की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। जिसमें सदस्यता अभियान, वार्षिक बजट आय व्यय एवं ऑडिट, बाढ़ अतिवृष्टि जल भराव में राहत, प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण, जूनियर रेड क्रॉस के अंतर्गत जिले के समस्त शालाओं में पंजीयन, वित्त समिति, जूनियर रेड क्रॉस उप समिति, यूथ रेड क्रॉस उप समिति, स्वास्थ्य समिति आपदा प्रबंधन समिति के अतिरिक्त प्रबंध समिति स्थानीय स्तर पर समिति का गठन करना उचित हो इन सब पर चर्चा किया जाएगा। इस बैठक के लिए इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन बाबूलाल अग्रवाल, वाइस चेयरमैन ओमकार पांडे, श्रवण जैन, अशोक कुमार अग्रवाल एवं जिले के सभी प्रबंधन समितियों के सदस्य शामिल रहेंगे।

सम्पादकीय

सभी को नए अवसर देगी न्यूजीलैंड से फ्री ट्रेड डील

भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) कारोबारियों से लेकर किसानों और छोटे उद्यमियों यानी एमएसएमई तक को लाभ पहुंचाएगा। इससे दोनों देशों के बीच ट्रेड, इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन और सांझा अवसर बढ़ेंगे। इस नई ट्रेड डील के तहत न्यूजीलैंड से भारत में आने वाले करीब 95 फीसदी उत्पादों पर लगने वाले आयात शुल्क को या तो हटा दिया जाएगा या बहुत कम कर दिया जाएगा, जिससे व्यापार की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। दोनों देशों का लक्ष्य अगले 5 सालों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करना है। इससे अर्थव्यवस्था को स्थिर और दीर्घकालिक वृद्धि मिल सकेगी। वहीं, न्यूजीलैंड ने भारत में निवेश बढ़ाने का भरोसा जताया है। न्यूजीलैंड अगले 15 वर्ष में भारत में 20 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगा, इससे स्थानीय उद्योगों और रोजगार के अवसरों को बल मिलेगा। यह व्यापार समझौता मार्च 2025 में तब शुरू हुआ जब न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन भारत आए थे। दोनों देशों ने इस समझौते को अपने आर्थिक रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम बताया। अब उम्मीद की जा रही है कि यह समझौता आर्थिक जुड़ाव को और बढ़ाएगा, बाजारों तक पहुंच आसान करेगा, निवेश को बढ़ावा देगा और दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा। इससे नए आविष्कार करने वालों, कारोबारियों, किसानों, छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए कई सेक्टर में अवसर पैदा होंगे। साथ ही छात्रों और युवाओं को भी मौके मिलेंगे। यह डील लागू होने के बाद न्यूजीलैंड को भारतीय सामानों पर कोई टैक्स नहीं देना पड़ेगा। यह करार मजदूरों, कारीगरों, महिलाओं द्वारा चलाए जा रहे व्यवसायों और युवाओं के लिए फायदेमंद साबित होगा। साथ ही कपड़ा, ऊन, परिधान, चमड़ा और जूते जैसे उद्योगों को मौके देगा। इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, प्लास्टिक, दवाइयां और रसायन जैसे उत्पादन से जुड़े उद्योगों को भी लाभ मिलेगा। इस डील का मॉडल यूरोपीय फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) जैसा ही होगा। इस प्रस्तावित निवेश से मेन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, सेवाएं, इनोवेशन और रोजगार सृजन जैसे क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा, जो भारत के निवेश परिदृश्य को बदलने में अहम भूमिका निभाएगा। यह समझौता खेती-किसानी पर भी खास ध्यान देता है। भारतीय किसानों को न्यूजीलैंड के बाजार में फल, सब्जियां, कॉफी, मसाले, अनाज और प्रोसेस्ड फूड जैसे उत्पादों को बेचने के बेहतर मौके मिलेंगे। 'एग्रीकल्चरल प्रोडक्टिविटी पार्टनरशिप' (कृषि उत्पादकता साझेदारी), 'सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस' (उत्कृष्टता केंद्र) और न्यूजीलैंड की उन्नत कृषि तकनीकों तक पहुंच जैसी पहलों से किसानों की उत्पादकता बढ़ेगी, गुणवत्ता सुधरेगी और उनकी आय में वृद्धि होगी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत-न्यूजीलैंड के बीच माल का व्यापार 1.3 अरब डॉलर था। वहीं, 2024 में वस्तुओं और सेवाओं का कुल व्यापार लगभग 2.4 अरब डॉलर था, जिसमें अकेले सेवाओं का व्यापार 1.24 अरब डॉलर था। बता दें कि पिछले 5 साल में भारत की यह 7वीं फ्री ट्रेड डील है। इससे पहले 2021 में मॉरीशस, 2022 में ऑस्ट्रेलिया, 2022 में यूएई, 2024-25 में यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए), 2025 में ब्रिटेन व ओमान व अब न्यूजीलैंड के साथ डील हुई है। इससे भारत की ग्लोबल ट्रेड पार्टनरशिप मजबूत हुई है और देश के विकास को और बेहतर मौके मिलेंगे।

योजना
डॉ. अश्विनी महाजन

समय की जरूरत रोजगार गारंटी कानून

संसद में मनरेगा को विकसित भारत–ग्रामीण रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन विधेयक, 2025 (वीबी–जी राम जी) के नाम से पारित कर दिया गया है और राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदन के बाद अब यह विधेयक मनरेगा का स्थान लेगा। जहां सरकार नए विधेयक को विकसित भारत के लिए सुधार के रूप में प्रस्तुत कर रही है, वहीं विपक्ष इसका विरोध कर रहा है। विपक्ष का कहना है कि सरकार जानबूझकर इस कानून से महात्मा गांधी का नाम हटाकर राजनीति कर रही है। आज जरूरत इस बात की है कि इस विधेयक को विस्तार से समझा जाए कि वास्तव में इसके प्रावधान क्या हैं और इससे देश और ग्रामीण भारत को क्या फायदा या नुकसान हो सकता है?

मनरेगा यानी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, एक अधिकार-आधारित योजना है, जिसे 2005 में अधिनियमित किया गया और फरवरी 2006 से लागू किया। इस अधिनियम के तहत, किसी भी ग्रामीण परिवार का 18 वर्ष या उससे अधिक आयु का वयस्क सदस्य काम के लिए आवेदन कर सकता है। सरकार पर प्रति वर्ष प्रति परिवार 100 दिनों तक कार्य देने की बाध्यता है और यदि लिखित या मौखिक मांग के 15 दिनों के भीतर काम नहीं दिया जाता, तो राज्य को बेरोजगारी भत्ता देना होता है। दुनिया भर में कहीं भी ऐसी रोजगार के अधिकार की कोई योजना नहीं है।

सूखा, कृषि संकट और कोविड-19 जैसे झटकों के समय इसने आर्थिक सुरक्षा कवच की भूमिका निभाई, जब लाखों प्रवासी श्रमिक गांव लौट आए और इसी योजना पर निर्भर रहे। इस योजना में कुछ बड़े बदलाव प्रस्तावित करते हुए संसद में विकसित भारत–ग्रामीण रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन विधेयक, 2025 (वीबी-जी राम जी) पारित कर दिया गया है और राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदन के बाद अब यह विधेयक मनरेगा का स्थान लेगा। जहां सरकार नए विधेयक को विकसित भारत के लिए सुधार के रूप में प्रस्तुत कर रही है, वहीं विपक्ष इसका विरोध कर रहा है। विपक्ष का कहना है कि सरकार जानबूझकर इस कानून से महात्मा गांधी का नाम हटाकर राजनीति कर रही है।

आज जरूरत इस बात की है कि इस विधेयक को विस्तार से समझा जाए कि वास्तव में इसके प्रावधान क्या हैं और इससे देश और ग्रामीण भारत को क्या फायदा या नुकसान हो सकता है? 2005 में बनाए गए इस अधिनियम के पीछे सोच यह थी कि ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को बेरोजगारी के कारण गरीबी से बचाने के लिए उन्हें आमदनी की गारंटी हो, लेकिन इसके साथ ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के कार्यों जैसे जल संरक्षण परियोजनाएं, सिंचाई नहरें, ग्रामीण सड़कें, बाढ़ नियंत्रण संरचनाएं और भूमि विकास से जुड़े कार्य भी किए जा सकें। इस योजना में वित्तीयन की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की थी।

समझना होगा कि यह योजना रोजगार की मांग से चलती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले सालों में जहां इस योजना में मजदूरी की दर बढ़ाकर उसे आकर्षक बनाया गया है, लेकिन रोजगार के लिए पंजीकृत करने हेतु दिवसों में भारी कमी आई है। इसका अभिप्राय है कि ग्रामीण लोगों को अन्य स्रोतों से अतिरिक्त रोजगार मिलने लगा है जो मनरेगा से अच्छा है। 2005 से अभी तक देश में बहुत बदलाव आ चुका है, ऐसे में सरकार का मानना है कि मनरेगा कानून में भी आमूलचूल परिवर्तन करने की आवश्यकता है। हालांकि विधेयक में मनरेगा में 100 दिनों के स्थान पर 125 दिन तक और वनवासी क्षेत्रों में तो 150 दिनों तक रोजगार देने का प्रावधान रखा गया है, लेकिन अब उसका वित्तीयन अकेले केंद्र सरकार नहीं बल्कि केंद्र और राज्य दोनों सरकारों का दायित्व होगा। गौरतलब है कि 2005 केंद्रीय राजस्व में राज्य सरकारों का हिस्सा मात्र 32 प्रतिशत था जो अब बढ़कर 42 प्रतिशत हो चुका है। 14वें वित्त आयोग ने राज्यों के हिस्से को यही कहकर बढ़ाया था ताकि वे योजना का भार वहन कर सकें। लेकिन नरेगा राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम जो पहले ही बन चुका था, उसमें राज्यों पर इसका भार नहीं

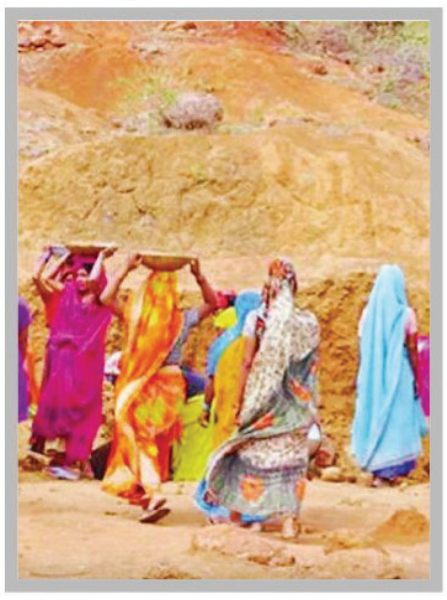

डाला जा सकता था। हालांकि, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी एक्ट (नरेगा) 2005 में पास हुआ था और इसे 2006 में लागू किया गया। 2009 में तब की यूपीए की सरकार ने इसका नामकरण महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम कर दिया था, और अब जब इस योजना का नया रूप संसद ने प्रस्तावित किया है और नाम में बदलाव होना भी स्वाभाविक था, जो इत्तेफाक से भगवान राम के नाम से मिलता-जुलता है। इसी बात का विपक्ष विरोध कर रहा है।

मनरेगा का उद्देश्य बेरोजगारी के दिनों में आय-सुरक्षा देना था, परंतु यदि कृषि मौसम में श्रमिक मनरेगा की ओर आकर्षित रहते थे। ऐसे में खेतों में श्रमिकों की कमी के चलते मजदूरी लागत बढ़ जाती है, जिससे किसान की लागत में वृद्धि हो जाती है और खेती की प्रतिस्पर्धात्मकता घटती है। इस नए विधेयक में इस समस्या का समाधान निकाला गया है और रोजगार गारंटी कार्यक्रम में खेती के लिए आवश्यक 60 दिनों में इस कार्यक्रम को स्थगित रखने का प्रावधान रखा गया है। इसके साथ ही अब इस कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यों में भी समय के साथ बदलाव करते हुए अब उसमें आज की आवश्यकता के अनुरूप, जल सुरक्षा, ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजी-रोटी से जुड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर और खराब मौसम की घटनाओं को कम करने को शामिल करने के साथ-साथ, इन योजना को पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के साथ भी जोड़ा गया है।

मनरेगा का सबसे बड़ा दोष यह था कि तमाम प्रयासों के बावजूद इसमें भ्रष्टाचार नहीं रुक रहा था। ग्राम पंचायत और खंड स्तर पर भ्रष्टाचार के कारण बड़ी मात्रा में सरकारी धन की लूट हो रही थी, ऐसी कई योजनाएं ध्यान में आती थी जिसमें है कागजों पर ही तमाम निर्माण हो जाते थे, जिनका धरातल पर कोई अस्तित्व ही नहीं होता था। नए अधिनियम में भ्रष्टाचार को बाहर रखने के लिए प्रावधान रखा गया है कि नई प्रौद्योगिकी का उपयोग करने का प्रावधान है, जिसमें लेन-देन के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, योजना निर्माण एवं निगरानी के लिए भू-स्थानिक (जियोस्पेशियल) प्रौद्योगिकी, वास्तविक समय में निगरानी के लिए मोबाइल एप्लिकेशन-आधारित डैशबोर्ड तथा साप्ताहिक सार्वजनिक प्रकटीकरण प्रणाली को शामिल किया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले प्रधानमंत्री आवास योजना में प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए उसमें भ्रष्टाचार पर बड़ा अंकुश लगाया गया है, उसी तर्ज पर प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए रोजगार गारंटी योजना में भी भ्रष्टाचार को रोका जा सकेगा।

देश में कई विशेषज्ञों द्वारा मनरेगा का विरोध इस लंबे व्यू से हो रहा था कि इसके चलते कृषि और उद्योग क्षेत्र में श्रमिकों की कमी हो रही है, हालांकि कृषि में तो श्रमिकों की कमी की समस्या को कुछ हद तक नए अधिनियम में हल करने का प्रयास हुआ है, लेकिन मनरेगा के कारण उद्योगों और कृषि की सहायक गतिविधियों हेतु श्रमिकों की कमी के समाधान का की समस्या के समाधान का भी प्रयास करना जरूरी था। विपक्ष संसद में नामकरण जैसे गैर जरूरी मुद्दों को उठाने की बजाए यदि नए अधिनियम में देश की आवश्यकता के अनुरूप प्रावधान शामिल कराने हेतु बहस करता तो मनरेगा के इस नए अवतार में कुछ और सुधार भी शामिल किए जा सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

(लेखक पूर्व प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

बलिदान दिवस

आचार्य दीपचन्द भारद्वाज

त्याग की प्रतिमूर्ति निर्भीक संन्यासी स्वामी श्रद्धानंद

स्वामी श्रद्धानंद का संपूर्ण जीवन मानव कल्याण को समर्पित था। इनका पूर्व नाम मुंशीराम था। 1879 में एक बार बरेली में स्वामी दयानंद सरस्वती का प्रवचन हुआ। मुंशी राम के पिताजी ने इनको भी स्वामी दयानंद के उस कार्यक्रम में जाने के लिए कहा। मुंशी राम का जीवन स्वामी दयानंद के प्रवचनों तर्कों एवं सैद्धांतिक विचारधारा से बहुत प्रभावित हुआ। स्वामी दयानंद के उपदेशों ने नास्तिक मुंशीराम को आस्तिक बना दिया। अपने जीवन में व्याप्त समस्त व्यसनों का परित्याग करके वर्ष 1884 में मुंशी राम जी आर्य समाज लाहौर के सदस्य बने। स्वामी दयानंद के वैदिक ज्ञान से प्रभावित होकर इन्होंने अपना संपूर्ण जीवन वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु समर्पित किया। 1902 में इन्होंने गुरुकुल कांगड़ी जैसी महान संस्था की स्थापना की। स्वामी श्रद्धानंद जी ने समाज के उत्थान के लिए तथा अपनी वैदिक संस्कृति की रक्षा के लिए हरिद्वार में गुरुकुल कांगड़ी नामक ऐतिहासिक संस्था की नींव रखी।

इस संस्था के माध्यम से इस निर्भीक संन्यासी ने मैकाले की शिक्षा पद्धति को चुनौती देने का कार्य किया जो उस समय पूर्णरूपेण असंभव था। सर्वप्रथम कन्याओं की शिक्षा के लिए विद्यालय खोला तथा सबसे पहले अपने बच्चों को गुरुकुल प्रणाली की शिक्षा हेतु तैयार किया। इसी गुरुकुल कांगड़ी से अनेक विद्वान, राष्ट्रभक्त, बलिदानी तैयार हुए। कल्याण मार्ग के पथिक महात्मा मुंशीराम ने त्याग के महान आदर्श का अनुसरण करते हुए अपनी जालंधर वाली कोठी तथा संपूर्ण संपत्ति आर्य समाज को दान कर दी। वर्ष 1917 में महात्मा मुंशीराम ने संन्यास ग्रहण किया तथा अपना नाम श्रद्धानंद रखा। ईश्वर में इनकी अगाध श्रद्धा थी, इसलिए इन्होंने अपना यह नाम रखवाया। 1919 में जब दिल्ली में कांग्रेस की सभाओं और जलसों को पूर्ण रूप से बंद करने का अंग्रेज सरकार ने आदेश जारी किया तब स्वामी श्रद्धानंद ने चांदनी चौक टाउन हॉल के सामने आंदोलन करते हुए उन्होंने अंग्रेजी सेना के सामने सीना खोलकर गोली चलाने की चुनौती दी थी। इस निडर संन्यासी के सामने उस समय अंग्रेजों को भी नतमस्तक होना पड़ा था। जलियांवाला बाग की दमनकारी तथा क्रूर घटना के बाद पूरे पंजाब मे भय और आतंक का माहौल था, ऐसे डरावने माहौल में कोई भी कांग्रेस का नाम लेने वाला नहीं था तब इन्हीं स्वामी श्रद्धानंद ने अपने दृढ़ संकल्प के बल पर कांग्रेस का अमृतसर में अधिवेशन संपन्न करवाया। गुरुकुल कांगड़ी का प्रबंध आचार्य रामदेव को सौंप कर स्वामी श्रद्धानंद दिल्ली पहुंचे। यहां से उन्होंने अपनी राजनीतिक धार्मिक गतिविधियों का संचालन किया। 1922 में जब सिखों ने गुरु का बाग का सत्याग्रह शुरू किया तो अंग्रेजों ने इसे दबाने का प्रयास किया। स्वामी श्रद्धानंद को जब पता चला तो वे तुरंत अमृतसर पहुंचे और इस सत्याग्रह का संचालन अपने हाथ में लिया। स्वामी श्रद्धानंद ने शुद्धि आंदोलन प्रारंभ करके मुस्लिमों के भय से धर्म परिवर्तन करने वालों को पुनः अपने धर्म में शुद्धिकरण के माध्यम से प्रवेश करवाया। सर्वप्रथम आगरा के मलकाने राजपूतों की स्वधर्म में वापसी करवाकर शुद्धि के इस महान आंदोलन का सूत्रपात किया। राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानंद जी का नाम आर्य जगत में बड़ी श्रद्धा से लिया जाता है। स्वामी दयानंद के व्रत कथा संकल्प को पूर्ण करने के लिए स्वामी श्रद्धानंद ने अपने पूरे जीवन को समर्पित कर दिया।

कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति से नाराज होकर स्वामी श्रद्धानंद ने कांग्रेस से त्यागपत्र दे दिया था। शुद्धि आंदोलन के कार्य से कुछ सांप्रदायिक लोग उनसे नाराज हो गए और 23 दिसंबर 1926 को एक मतांध सांप्रदायिक मुस्लिम ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। स्वामी श्रद्धानंद जीवन पर्यंत राष्ट्र, धर्म, जाति तथा अपने स्वर्णिम वैदिक संस्कृति की रक्षा हेतु प्रयासरत रहे। कल्याण मार्ग के पथिक, अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानंद का यह आदर्शमय तथा त्यागमय जीवन संपूर्ण आर्य जाति के लिए प्रेरणा स्तंभ के समान है। स्वामी श्रद्धानंद का का जीवन पुरुषार्थ और कर्ममय था। देश और आर्य समाज के लिए स्वामी श्रद्धानंद का योगदान और बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका जीवन हमेशा राष्ट्र के प्रति समर्पित रहा और उन्होंने हमेशा डटकर अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने में कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने अंतिम क्षणों तक अपने पावन कार्यों के माध्यम से आर्य समाज की सेवा की। श्रद्धानंद जी का संपूर्ण जीवन युवा आर्य शक्ति को नई ऊर्जा, पुरुषार्थ तथा राष्ट्रभक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दर्शन

संकलित

आवश्यकता से अधिक मंथन से विष ही निकलता है

व्यक्ति को कर्मशील रहना चाहिए, मगर सहज संतुलन भी आवश्यक है। आज की युवा पीढ़ी अधिक व्यस्त है। उसकी इतनी व्यस्तता चिंता का कारण है। व्यस्तता का बड़ा कारण तकनीक का अधिक प्रयोग भी है। युवा चिंतन में लगे रहते हैं। कम समय में अधिक से अधिक काम करना चाहते हैं। समुद्र मंथन का कार्य तो भलाई के लिए हो रहा था और रत्न निकल भी रहे थे, परंतु न तो देवताओं को संतोष था और ना ही असुरों को। अधिक से अधिक रत्न निकालने की चाह में मंथन होता गया और एक समय ऐसा आया, जब विष निकलने लगा, जिसे पीने को कोई तैयार नहीं था। सब त्राहि-त्राहि करते हुए भगवान शिव के पास पहुंचे। भगवान शिव ने विष को पिया और श्रीराम का नाम लिया। युवा नई तकनीक का प्रयोग करें, खोज करें, लेकिन आवश्यकता से अधिक चिंतन न करें। लगातार नई तकनीक में डूबे रहने की आदत का प्रभाव नकारात्मक होता है। आवश्यकता से अधिक मंथन से विष ही निकलता है। आज के समय में विष क्या है? काम, क्रोध, लोभ और मोह तो फिर भी कुछ न कुछ अंश में सांसारिक जीवन के भाग हैं। प्रत्येक व्यक्ति में इसका कुछ भाव होना स्वाभाविक है, लेकिन ईर्ष्या, द्वेष व निंदा का जीवन में कोई काम नहीं है। ये ही समुद्र मंथन से निकले हलाहल (विष) के समान हैं। अब धर्म क्षेत्र में भी ईर्ष्या, द्वेष व निंदा का असर है जो उचित नहीं है। अगर हमें शिव की भक्ति करनी है तो इस विष का पान भी करना होगा। भगवान शिव भक्ति भी देते हैं और मुक्ति (मोक्ष) भी।

प्रेरणा

संकलित

जीवन का, जीवन बीमा

दो मित्र थे, बड़े परिश्रमी और मेहनती। अपने परिश्रम से दोनों एक दिन बड़े सेठ बन गए। दोनों ने बड़ा व्यवसाय खड़ा कर लिया। पहले सेठ ने अपनी सारी संपत्ति का बीमा करवा लिया। उसने अपने मित्र को बार बार यही परामर्श दिया की वह भी अपनी सम्पत्ति का बीमा करवा ले। परन्तु दूसरे मित्र ने उसकी बात को अनसुना कर दिया। दुर्भाग्य से एक दिन शहर में आग लग गई। दोनों की सारी संपत्ति जल कर राख हो गई। पहले सेठ ने बीमा करवा रखा था इसलिए उसे सारी संपत्ति वापिस मिल गई जबकि दूसरा मित्र निर्धन बन गया। मगर हाथ पछताने के अतिरिक्त उसके पास कोई चारा नहीं बचा था। मनुष्य का यह जन्म भी सेठ की संपत्ति के समान है। हम सभी को मालूम है की एक दिन इस शरीर को भस्म होना है मगर हम हैं की जीवन के इस अटल सत्य को जानकर भी अनसुना कर देते हैं। हम इसका कभी बीमा नहीं करवाते। न सत्कर्म करते है, न अभ्यास और वैराग्य द्वारा मोक्ष मार्ग को सिद्ध करते हैं, न योग मार्ग के पथिक बनते है, न ईश्वर का साक्षात्कार करते है। इसके विपरीत भोग, दुराचार, पाप, राग-द्वेष, ईर्ष्या, अभिमान, अहंकार, असत्य आदि के चक्कर में अपना बीमा ही करवाना भूल जाते हैं। वेद में अनेक मन्त्रों के माध्यम से जन्म-मरण और मुक्ति की पवित्र शिक्षा को कहा गया हैं- शरीररूप बंधन में आकर जीवात्मा जहाँ तहाँ भटकता है- वेद शरीर नश्वर है इसके रहते हुए जो श्रेष्ठ कर्म किया जा सके करले अपने को संभाल के परमात्मा का स्मरण कर-वेद जीवात्मा वासनावश ऊंची नीची योनियों में शरीर धारण करता है।

अंतर्मन

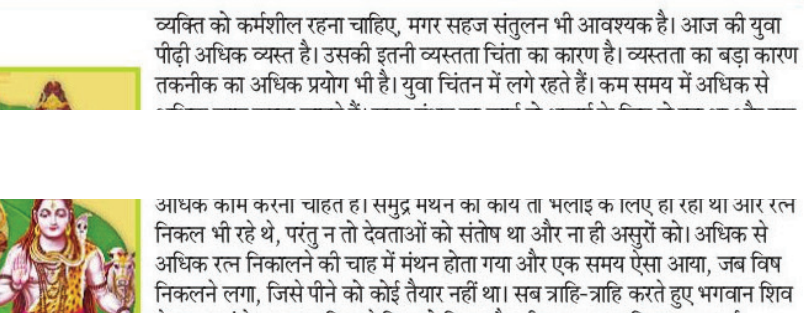

आज की पाती

नागरिक चेतना से बचेगी प्रकृति

पर्यावरण संरक्षण की बहस अक्सर एक सुविधाजनक दिशा में मोड़ दी जाती है–सरकारें नीतियां नहीं बनातीं, मंत्रालय निष्क्रिय हैं, कानून कागजों तक सीमित हैं। यह आलोचना पूरी तरह गलत नहीं है। केंद्रीय और राज्य स्तर पर पर्यावरण मंत्रालयों का रिकॉर्ड देखें तो विकास परियोजनाओं के सामने प्रकृति अक्सर सबसे पहले बलि चढ़ती दिखती है। जंगलों की कटाई, नदियों का प्रदूषण, ज़हरीली हवा और भूजल का संकट– इन सबके लिए नीतिगत विफलता ज़िम्मेदार है। पर यह अधूरा सच है। पूरा सच यह है कि पर्यावरण संकट की जड़ें हमारी अपनी जीवन-शैली में गहरी धंसी हुई हैं। हमने पर्यावरण को सरकार का विषय मान लिया है, जैसे वह नागरिक जीवन से अलग कोई विभागीय फाइल हो। नागरिक चेतना जरूरी है। – *जिवेश पाठक, रायगढ़*

ट्रेंड

सुशासन के लिए कटिबद्ध

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भेंट हुई। नरेंद्र मोदी और नीतीश के नेतृत्व में एनडीए सरकार प्रदेश में जनकल्याण, विकास और सुशासन को और अधिक ऊंचाई देने के लिए कटिबद्ध है।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

मनरेगा की संरचना खत्म

नरेन्द्र मोदी सरकार ने चर्चा, परामर्श या संसदीय प्रक्रियाओं तथा केंद्र राज्य संबंधों के प्रति सम्मान के बिना मनरेगा को खत्म करने की दिशा में कदम बढ़ाने का प्रयास किया है। योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाया जाना तो एक बानगी भर है। सरकार ने मनरेगा की संरचना को नष्ट किया है।

-सोनिया गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख

अधिकारी अयोग्य

एसआईआर पर सुनवाई के लिए माइक्रो ऑब्जर्वर के तौर पर नियुक्त केंद्रीय अधिकारियों को स्थानीय भाषा (बांग्ला) का बहुत कम ज्ञान है। ऐसे अधिकारी संशोधन अभ्यास के दूसरे फेज के दौरान वेरिफिकेशन करने के लिए अयोग्य है।

-ममता बनर्जी, सीएम प. बंगाल

मैं निराश नहीं

विकेट नहीं मिलने से मैं निराश नहीं हूं। मुझे खुशी है कि मैं रणनीति पर अच्छी तरह से अमल करने में सफल रही। अभी चार मैच खेले जाने बाकी हैं। शुरू में मैं थोड़ी नर्वस थी, लेकिन राष्ट्रगान के बाद सहज हो गई थी।

-वैष्णवी शर्मा, क्रिकेटर

करंट अफेयर

भारतीय मूल के वरदराजन स्टारबक्स के सीटीओ बने

अमेरिका की बहुराष्ट्रीय कंपनी 'स्टारबक्स' ने भारतीय मूल के आनंद वरदराजन को अपना नया कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) नियुक्त किया है। करीब दो दशकों तक अमेजन में काम कर चुके वरदराजन को दुनियाभर में कॉफीहाउस श्रृंखला के लिए मशहूर इस कंपनी के वैश्विक प्रौद्योगिकी संचालन की कमान सौंपी गई है। स्टारबक्स के अनुसार, वरदराजन 19 जनवरी से पदभार संभालेंगे, कंपनी की कार्यकारी नेतृत्व टीम में शामिल होंगे और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ब्रायन निकोल के मातहत काम करेंगे। वह डेब हॉल लेफेवर का स्थान लेंगे, जो सितंबर में सेवानिवृत्त हुई थीं। अमेजन में अपने लगभग 19 वर्षों के कार्यकाल के दौरान वरदराजन ने बड़े पैमाने पर ग्राहक-केंद्रित प्रौद्योगिकी मंच विकसित किए। हाल के वर्षों में वह अमेजन के 'वर्ल्डवाइड ग्रॉसरी स्टोर' कारोबार के लिए प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इससे पहले उन्होंने अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी 'ओरेकल' में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में और कई स्टार्टअप के साथ भी काम किया। स्टारबक्स ने कहा कि वरदराजन को सुरक्षित और भरोसेमंद प्रणालियां विकसित करने तथा परिचालन उत्कृष्टता के लिए प्रौद्योगिकी को बड़े पैमाने पर लागू करने का गहरा अनुभव है, जिसमें ग्राहकों को केंद्र में रखा जाता है।

ऑफ बीट

जेनेटिक कोड में एक ही चीज के लिए है बहुत सारे शब्द

आनुवंशिक कोड की सार्वभौमिकता सभी जीवित जीवों के बीच एक सामान्य वंशावली को इंगित करती है और यह कोड जैविक कोशिकाओं की संरचना, कार्य और विनियमन में आवश्यक भूमिका निभाता है। यह समझना कि जेनेटिक कोड कैसे काम करता है, जेनेटिक इंजीनियरिंग और सिंथेटिक जीव विज्ञान की नींव है। लेकिन अभी भी कई अनसुलझे रहस्य हैं, जैसे प्रोटीन फोल्डिंग जैसी विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं के लिए कोड क्यों महत्वपूर्ण है। आनुवंशिक कोडबुक चार अक्षरों से बने 'शब्दों' से बनी है: ए, सी, जी और यू। इनमें से प्रत्येक अक्षर एक अलग रासायनिक बिल्डिंग ब्लॉक के लिए है जिसे न्यूक्लियोटाइड कहा जाता है: एडेनिन, साइटोसिन, गुआनिन और यूरैसिल।राइबोसोम नामक एक आणविक मशीन जीन को प्रोटीन में अनुवाद करने के लिए कोडबुक को पढ़ती है। राइबोसोम तीन अक्षर वाले शब्दों को पढ़ते हैं जिन्हें कोडोन कहा जाता है, और चार अक्षरों के 64 अलग-अलग संभावित संयोजन होते हैं जो अलग-अलग कोडोन बनाते हैं। 64 शब्दों की इस सूची में, 61 अमीनो एसिड को एनकोड करते हैं, और तीन कोशिका में प्रोटीन संश्लेषण को रोकने के लिए राइबोसोम को संकेत देते हैं।

श्रीलंका को 45 करोड़ डॉलर देगा भारत

चक्रवात प्रभावित देश के लिए उठाया बड़ा मानवीय कदम

एजेंसी

कोलंबो। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत को चक्रवात दित्वा के दौरान श्रीलंका के साथ खड़ा रहने पर गर्व है और उसने द्वीप देश को 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के सहायता पैकेज का प्रस्ताव दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में श्रीलंका आए जयशंकर ने ये टिप्पणियां श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेरात की मौजूदगी में कीं। उन्होंने मोदी का एक पत्र राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को भी सौंपा।

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, चक्रवात दित्वा के दौरान श्रीलंका के साथ खड़े रहने पर भारत को गर्व है। श्रीलंका की दो दिवसीय यात्रा पर आए जयशंकर ने कहा, श्रीलंका 2022 के आर्थिक संकट से उबर ही रहा था कि तभी इस प्राकृतिक आपदा ने नयी कठिनाइयां पैदा कर दी हैं। जयशंकर ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने निर्देश दिया कि हम श्रीलंका सरकार की प्राथमिकताओं को लेकर उनसे बातचीत करें। उस संदर्भ में हमने जिस सहायता पैकेज का प्रस्ताव दिया है उसकी राशि 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। उन्होंने कहा, पैकेज में 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रियायती ज ण और 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की अनुदान सहायता शामिल होगी। उन्होंने कहा, श्रीलंका सरकार के साथ

परामर्श करके इस पैकेज को अंतिम रूप दिया जा रहा है। हमारी सहायता उन क्षेत्रों को कवर करेगी जो चक्रवात से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं, जिनमें पहला क्षेत्र- सड़क, रेल और पुल संपर्क की पुनः बहाली है। उन्होंने कहा दूसरा- जो घर पूरी तरह नष्ट हो गए हैं और जिन्हें आंशिक नुकसान हुआ है, उनके निर्माण में मदद करना। तीसरा- स्वास्थ्य और शिक्षा प्रणालियों के लिए सहयोग, खासकर वे जो चक्रवात से क्षतिग्रस्त हुई हैं। चौथा- कृषि क्षेत्र, जिसमें अल्पावधि और मध्यम अवधि में संभावित कमी से निपटने के उपाय शामिल हैं तथा पांचवां क्षेत्र- बेहतर आपदा प्रतिक्रिया और तैयारियों की दिशा में काम करना है। जयशंकर ने कहा कि नुकसान के पैमाने को देखते हुए भारत का श्रीलंका की मदद के लिए आगे आना स्वाभाविक है।

उन्होंने कहा कि दित्वा के श्रीलंका पहुंचने के पहले ही दिन भारत का ऑपरेशन सागर बंधु शुरू हो गया था। उन्होंने कहा, हमारे विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत और आईएनएस उदयगिरि कोलंबो में मौजूद थे और उन्होंने राहत सामग्री पहुंचाई, जिसके बाद हेलीकॉप्टर तैनात किए गए। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना के कई एमआई-17 हेलीकॉप्टर ने श्रीलंका में दो सप्ताह से अधिक समय तक मदद पहुंचाई जबकि 80 सदस्यीय राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीम ने बचाव और राहत कार्य किया। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सागर बंधु के तहत कुल मिलाकर।,100 टन से अधिक राहत सामग्री पहुंचाई गई, जिसमें सूखा राशन, तंबू, तिरपाल, स्वच्छता किट, आवश्यक वस्त्र और जल शोधन किट शामिल थीं। जयशंकर ने कहा कि करीब 14.5 टन दवाइयां और चिकित्सकीय उपकरण भी उपलब्ध कराए गए तथा राहत कार्यों में सहायता के लिए 60 टन अतिरिक्त उपकरण श्रीलंका लाए गए।

जन भागीदारी ही जन-केंद्रित सुरक्षा की आधारशिला है : राष्ट्रपति मुर्मू

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि सामुदायिक भागीदारी राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करती है और लोगों को अपने आसपास होने वाली घटनाओं से बेपरवाह नहीं बने रहना चाहिए क्योंकि जन भागीदारी ही जन-केंद्रित सुरक्षा की आधारशिला है। खुफिया ब्यूरो (आईबी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुर्मू ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया ने सूचना और संचार की दुनिया को बदल दिया है तथा इसमें सृजन और विनाश दोनों की क्षमता है। मुर्मू ने कहा, लोगों को गलत सूचनाओं से बचाना एक बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है।

इस कार्य को निरंतर और अत्यंत प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय हित में तथ्यों पर आधारित जानकारी को लगातार प्रस्तुत करने वाले सक्रिय सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं का एक समुदाय बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं जिनमें जागरूक नागरिकों ने सुरक्षा संकटों को टालने में पेशेवर बलों की मदद की है। राष्ट्रपति ने कहा लोगों को अपने आसपास घटित होने वाली घटनाओं से बेपरवाह नहीं बने रहना चाहिए। उन्हें अपने परिवेश और उससे परे के क्षेत्रों की सुरक्षा में सचेत और सक्रिय भागीदार बनना चाहिए। जन भागीदारी ही जन-केंद्रित सुरक्षा की आधारशिला है। मुर्मू ने कहा कि स्वतंत्रता-पूर्व काल से चले आ रहे विरासत के बोझ के कारण, कुछ लोग आम तौर पर सरकारी कर्मचारियों और विशेष रूप से पुलिस बलों के प्रति दूरी की भावना महसूस कर सकते हैं। उन्होंने कहा, विकसित समाजों और देशों में, लोग आम तौर पर पुलिसकर्मियों को एक मित्रवत व्यक्ति के रूप में देखते हैं जिन पर मदद के लिए भरोसा किया जा सकता है।

संक्षेप

रूस ने यूक्रेन पर 650 मिसाइलों से किया हमला, तीन की मौत

कीव। रूस ने सोमवार रात यूक्रेन पर 650 से अधिक ड्रोन और तीन दर्जन मिसाइलें दागीं। यह व्यापक हमला रात में शुरू हुआ और मंगलवार को दिन तक जारी रहा। इस हमले में चार वर्षीय बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि बमबारी ने यूक्रेन के 13 क्षेत्रों में घरों और बिजली ग्रिड को निशाना बनाया, जिससे भीषण सर्दी में व्यापक स्तर पर बिजली गुल हो गई। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि बमबारी से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यूक्रेन पर आक्रमण जारी रखने का इरादा जाहिर हो गया है। यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों का दावा है कि पुतिन अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में गंभीरता से सहयोग नहीं कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा यह हमला रूसी प्राथमिकताओं का बेहद स्पष्ट संकेत है। यह व्यापक हमला क्रिसमस से ठीक पहले किया गया, जब लोग अपने परिवारों के साथ घर पर सुरक्षित रहना चाहते हैं। दरअसल, यह हमला ऐसे समय में किया गया, जब इस युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत के प्रयास किए जा रहे हैं। पुतिन यह बात स्वीकार नहीं कर सकते कि हमें हत्याएं बंद करनी होंगी।

नाइजीरिया में अपहृत किए गए 130 स्कूली बच्चों और शिक्षकों का रिहाई

मिना (नाइजीरिया)। नाइजीरिया में देश के इतिहास के सबसे बड़े सामूहिक अपहरणों में से एक के बाद रिहा किए गए 130 स्कूली बच्चों और शिक्षकों को सोमवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से देखा गया।

सरकारी समारोह में आए कुछ बच्चे कुपोषित या सदमे की स्थिति में नजर आए। पुलिस ने बताया कि इन्हें रविवार को मुक्त कराया गया। एक महीने पहले हथियारबंद लोगों ने नाइजर राज्य के पापीरी समुदाय में स्थित एक कैथोलिक स्कूल पर तड़के हमला कर इन बच्चों और शिक्षकों का अपहरण कर लिया था। अधिकारियों ने कहा कि बच्चों को क्रिसमस से पहले उनके परिवारों से मिलाने की तैयारी की जा रही है। इससे पहले अधिकारियों ने बताया था कि 303 स्कूली बच्चों और 12 शिक्षकों का अपहरण किया गया था, जिनमें से 50 बच्चे कुछ ही घंटों में भाग निकले थे। हालांकि, सोमवार को नाइजर राज्य के गवर्नर मोहम्मद बागो ने संकेत दिया कि कुल 230 लोगों को अगवा किया गया था और अब सभी को रिहा कर दिया गया है।

समय आने पर प्रियंका बनेंगी प्रधानमंत्री

एजेंसी

नयी दिल्ली। कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ने मंगलवार को कहा कि उनकी पत्नी प्रियंका गांधी वाड्रा का राजनीति में उज्ज्वल भविष्य है और एक समय

यह अपरिहार्य है : रॉबर्ट वाड्रा

आएगा जब लोग उन्हें शीर्ष पद पर देखना चाहेंगे। वह उन खबरों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिनके अनुसार, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने बांग्लादेश की स्थिति का हवाला देते हुए कहा है कि प्रियंका गांधी अपनी दादी इंदिरा गांधी की तरह मजबूत प्रधानमंत्री साबित होंगी। मसूद की

टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर वाड्रा ने कहा, मुझे लगता है कि प्रियंका ने भी अपनी दादी (इंदिरा गांधी), अपने पिता (राजीव गांधी), सोनिया जी और अपने भाई (राहुल गांधी) से बहुत कुछ सीखा है। लोग उनकी प्रशंसा करते हैं। लोग देखते हैं कि उनमें क्या है। जब वह बोलती हैं, तो दिल से बोलती हैं।

वह उन विषयों पर बोलती हैं जिन्हें वास्तव में सुनने की जरूरत है और वह उन पर बहस करती हैं। उन्होंने यह भी कहा मुझे लगता है कि राजनीति में उनका भविष्य उज्ज्वल है और इस देश में जमीनी स्तर पर जो जरूरी है उसे बदलने में भी उनका भविष्य उज्ज्वल है। मुझे लगता है कि यह समय पर होगा, यह अपरिहार्य है। चुनावों में कांग्रेस की लगातार हार के चलते अक्सर कांग्रेस के एक वर्ग की ओर से प्रियंका गांधी को बड़ी भूमिका देने की मांग उठती रही है।

भारत जल्द बनेगा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

एजेंसी

धाराइंदौर (मध्यप्रदेश)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने देश की आर्थिक प्रगति का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि 11 साल पहले पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाने वाला भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।

उन्होंने भरोसा जताया कि नरेन्द्र मोदी सरकार की नीतियों के कारण भारत बहुत जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री नड्डा ने इंदौर से करीब 65 किलोमीटर दूर धार में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के आधार पर बनने जा रहे चिकित्सा महाविद्यालय के निर्माण की नींव रखी। उन्होंने इस मौके पर आयोजित समारोह में कहा, 11 साल पहले भारत की गिनती छुई-मुई जैसी पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में होती थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके हैं। बहुत जल्द हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का कहना है कि दुनिया भर में विकास की गति मंद है, लेकिन भारत बुलंदी के साथ खड़ा

है। विश्व बैंक भारत की अर्थनीति को आशा की चमकती किरण बताता है। नड्डा ने भूमिपूजन समारोह में कहा कि धार में पीपीपी मॉडल के आधार पर बनने जा रहा चिकित्सा महाविद्यालय देश में इस तरीके से खुलने वाला अपनी तरह का पहला संस्थान होगा जिससे गांव-गांव तक चिकित्सकों की पहुंच सुनिश्चित होगी।

धार जिले की गिनती मध्यप्रदेश के आदिवासी बहुल जिलों में होती है जहां एक जमाने में कांग्रेस की मजबूत पकड़ थी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने कांग्रेस पर इस जनजातीय अंचल के विकास की अनदेखी का आरोप लगाया और कहा हमारे आदिवासी भाइयों ने कांग्रेस को लम्बे समय तक आशीर्वाद दिया, लेकिन क्या इस पार्टी ने इस समुदाय के जीवन में बदलाव लाने का कोई काम किया? नड्डा ने कहा कि देश में संस्थागत प्रसव का आंकड़ा बढ़कर 89 प्रतिशत पर पहुंच गया है जिससे जचगी के दौरान माताओं की मौत की दर में बड़ी कमी आई है।

असम के कार्बी आंगलोंग में फिर भड़की हिंसा

एजेंसी

दीफू/गुवाहाटी। असम के अशांत कार्बी आंगलोंग जिले में मंगलवार को एक बार फिर हिंसा भड़क उठी, जब प्रदर्शनकारियों के दो गुट आपस में भिड़ गए और पुलिस को उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज के साथ-साथ आंसू गैस के गोलों का सहारा लेना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि ताजा हिंसा में कम से कम आठ लोगों के घायल होने की खबर है।

अधिकारियों के मुताबिक, निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद खेरोनी बाजार इलाके में बच्चों और महिलाओं समेत बड़ी संख्या में वे लोग हिंसा के

खिलाफ प्रदर्शन के लिए सड़कों पर उतरे, जिनकी दुकानें भीड़ ने सोमवार को जला दी थीं।

उन्होंने बताया कि आदिवासी क्षेत्र से अतिक्रमणकारियों को बेदखल करने की मांग करने वाले आंदोलनकारी भी खेरोनी बाजार इलाके की सड़कों पर एकत्र हुए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों गुटों में भारी आक्रोश था और इलाके में तैनात सुरक्षा बल उन्हें शांत करने की कोशिश कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि अचानक दोनों गुटों के लोगों ने एक-दूसरे पर पथराव शुरू कर दिया, जिसमें कई प्रदर्शनकारी, पुलिसकर्मी और मीडिया कर्मी घायल हो गए। अधिकारी के अनुसार, हालात बेकाबू होने पर पुलिस को दोनों गुटों के प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले दागने पड़े। उन्होंने बताया कि इलाके में स्थिति तनावपूर्ण है और मौके पर अतिरिक्त बलों को भेजा गया है।

श्रीहरिकोटा में इसरो के ब्लूबर्ड ब्लॉक 2 मिशन के लिए उल्टी गिनती शुरू

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने कहा कि अमेरिका के एक नए पीढ़ी के संचार उपग्रह को ले जाने वाले एलवीएम-एम6 रॉकेट के प्रक्षेपण के लिए 24 घंटे की उल्टी गिनती मंगलवार को यहां शुरू हो गयी। एक समर्पित वाणिज्यिक मिशन के तहत इसरो बुधवार को सुबह 8.54 बजे इस अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे प्रक्षेपण पैड से भारी सामान को ले जाने वाले अपने प्रक्षेपण यान एलवीएम3-एम6 के जरिए ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 का प्रक्षेपण करेगा। बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि 6,100 किलोग्राम वजनी यह संचार उपग्रह एलवीएम3 के प्रक्षेपण इतिहास में पृथ्वी की निम्न कक्षा में स्थापित किया जाने वाला अब तक सबसे भारी पेलोड होगा।

इससे पहले सबसे भारी पेलोड एलवीएम3-एम5 संचार उपग्रह-03 था, जिसका वजन करीब 4,400 किलोग्राम था और जिसे इसरो ने दो नवंबर को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया था। बुधवार का यह मिशन न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड और अमेरिका स्थित एएसटी स्पेसमोबाइल के बीच हुए वाणिज्यिक समझौते के तहत संचालित किया जा रहा है।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि

मैं पुराना नाम रुचि खन्ना

पिता/पति चिराग चोपड़ा

अपना पुराना नाम को बदल कर नया नाम रूची चोपड़ा

पिता/पति चिराग चोपड़ा

निवासी/पता. चोपड़ा पारा अंबिकापुर

रख लिया हूँ अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय, अर्शासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम रूची चोपड़ा

पिता/पति चिराग चोपड़ा से जाना एवं पहचाना जाय।

शपथ कर्ता

नामः - रूची चोपड़ा

पताः- चोपड़ा पारा अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक नन्दकिशोर गुप्ता आ० तुलसी राम गुप्ता निवासी निखिल ट्रेडर्स के सामने नार्थ रिंग रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-09 मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर स्थित प्लाट नम्बर 3467/4866/229 रकबा 1650 वर्गफीट भूमि पर प्रस्तावित नक्शानुसार अनुसार भू-तल पर रकबा 80.22 वर्गमीटर प्रथम तल पर रकबा 55.98 वर्गमीटर, द्वितीय तल पर रकबा 55.98 वर्गमीटर पर आवासीय भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 09/01/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः 22/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

नाम परिवर्तन सूचना

में कमलाबाई चौहान पति बलदेवराम चौहान आयु 53 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 47, कन्या परिसर मार्ग, गंगापुरखुर्द, पोस्ट तहसील अंबिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग०, मेरा नाम व पता उपरोक्त अनुसार सत्य एवं सही है मै माध्यमिक शाला बकालो में हेडमास्टर के पद पर मैं पदस्थ हूँ/ मेरी सेवा पुस्तिका में मेरा नाम कमलाबाई चौहान अंकित है लेकिन मेरे आधार कार्ड व पेन कार्ड व मतदाता परिचय पत्र में त्रुटिवश कमला चौहान होगया है जो गलत है। अतः मैं समस्त दस्तावेजों में अपना नाम कमलाबाई चौहान अंकित करना चाहती हूं। उक्त दोनों नाम मेरे ही है जिसके सुधार हेतु शपथ पत्र प्रस्तुत कर रही हूं।

कमलाबाई चौहान
पति- बलदेवराम चौहान
कन्या परिसर रोड, गंगापुरखुर्द
अंबिकापुर,
जिला- सरगुजा (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/ ../अ-20 (3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका श्रीमती मंजू गुप्ता पत्नी नरेश प्रसाद गुप्ता उम्र लगभग 69 वर्ष जाति वैश्य निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर,, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-01 मोहल्ला चोपडापारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 9/58 रकबा 0.15 एकड़ भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-09/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 17/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

उपजिलाधिकारी सदर द्वारा देवरी माइनर का निरीक्षण कर किया गया सत्यापन

जिलाधिकारी मिजार्पुर पवन कुमार गंगवार के आदेश एवम्मुख्य विकाश अधिकारी विशाल कुमार के निर्देश में आज दिनांक 22/12/2025 दिन सोमवार को उपजिलाधिकारी सदर गुलाब चंद्र के द्वारा राइट लोवर खजुरी नहर एवम्देवरी माइनर का निरीक्षण किया। मौके पर उपस्थित अवर अभियंता सिंचाई विभाग एन के सिंह व एसडीओ जितेंद्र कुमार सिंचाई विभाग उपस्थित रहे। उपजिलाधिकारी ने मौके पर उपस्थित इंजीनियरों को किसानों के हित में अच्छी तरह से कार्य हेतु अवर अभियंता को प्रेरित किया। राइट लोअर खजूरी नहर और देवरी माइनर के सिल्ट सफाई कार्य का सत्यापन मौके पर जाकर सदर उपजिलाधिकारी गुलाब चंद्र के द्वारा किया गया।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती विदयात्री सिंह पत्नि श्री अखिलेश प्रताप सिंह, उम्र 41 वर्ष, निवासी बाबूपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका द्वारा अनावेदिका श्रीमती मंजूश्री सिंहदेव पुत्री महाराजा स्व० मदनेश्वर शरण सिंहदेव के स्वामित्व व अधिपत्य की मोहल्ला पोस्ट ऑफिस रोड़ नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 3196/5 रकबा 2520 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 31/03/2010 के माध्यम से क्रय किया गया है। उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर इस न्यायालय के रा०प्र०क्र० 259/अ-6/2016-17 में पारित आदेश दिनांक 15/07/2018 के अनुसार आवेदिका के नाम नामांतरण करने का आदेश पारित किया गया था, किन्तु आज दिनांक तक उक्त भूमि का नामांतरण आवेदिका के पक्ष में नहीं हुआ है। अतः उक्त पारित आदेश दिनांक के आधार पर आवेदिका द्वारा उक्त क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु रा०प्र०क्र० 259/अ-6/2016-17 के सम्पूर्ण नस्ती की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 114. 115 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 09/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 01/12/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ०ग०)

रा०मा०क्र० - 200812000100024/अ-21(5)/2005-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता नगर पालिका परिषद पत्थलगाव को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रामवती अग्रवाल पति राजेन्द्र अग्रवाल, जाति अग्रवाल निवासी ग्राम पत्थलगांव तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ०ग०) के द्वारा ग्राम पत्थलगाव

प०ह०न० 06 तहसील पत्थलगाव जिला जशपुर जा (छ० ०ग०) में स्थित अपने स्वामित्व की व्यपवर्तित भूमि ख०नं 204/2ख/ ड रकबा 0.064 हे० भूमि को अपने तीनो पुत्रों नवीन कुमार, अशोक कुमार, नरेश कुमार पिता राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल सभी जाति अग्रवाल, निवासी ग्राम/तहसील-पत्थलगांव जिला जशपुर (छ०ग०) के पक्ष में पंजीकृत दान पत्र के माध्यम से अन्तरण किये जाने की अनुमति प्रदाय करने हेतु कलेक्टर महोदय जशपुर (छ०ग०) को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी (रा०) पत्थलगांव के माध्यम से इस न्यायालय को जाँच कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त व्यपवर्तित भूमि दान पत्र के माध्यम से अंतरण किये जाने की अनुमति. के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वंय अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा अभिकर्ता के मय दस्तावेज दावा या आपत्ति दिनाक-05/01/2026 तक न्यायालय में पेश कर सकता है। नियत समय पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 19/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार पत्थलगांव
जिला-जशपुर

न्यायालय तहसीलदार पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ०ग०)

रा०मा०क्र० - 202512030100022/अ-21(5)/2005-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता नगर पालिका परिषद पत्थलगांव को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रवीण कुमार पिता राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, जाति अग्रवाल निवासी ग्राम पत्थलगांव

तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर ((छ०ग०) के द्वारा पत्थलगांव

प०ह०न० 06 रा०नि०म०/तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ ०ग ०) में स्थित अपने स्वामित्व की व्यपवर्तित भूमि ख०न०

210/1/ग/1/ रकबा 0.049 हे० भूमि को अपने तीनी भाईयों नवीन कुमार अशोक कुमार, नरेश कुमार पिता राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल सभी जाति अग्रवाल, निवासी ग्राम/तहसील-पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ०ग०) के पक्ष में पंजीकृत दान पत्र के माध्यम से अंतरण किये जाने की अनुमति प्रदान करने हेतु कलेक्टर महोदय जशपुर (छ०ग०) को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी (रा०) पत्थलगांव के माध्यम से इस न्यायालय को जाँच कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त व्यपवर्तित भूमि दान पत्र के माध्यम से अन्तरण किये जाने की अनुमति के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो वह सांग अथवा मान्य अधियकता अपना चैव अभिकर्ता के मय दस्तावेज दाना या आपत्ति दिनांक-05/01/2026 तक न्यायालय में पेश कर सकता है। नियत समय पश्चात प्राप्त दाया या संपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 19/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पद मुद्रा से जारी किया गया

तहसीलदार पत्थलगांव
जिला-जशपुर

भारत, सनातन और संघ एक-दूसरे के पर्याय – रमेश

नौतनवा में भव्य हिंदू सम्मेलन संपन्न, सनातन एकता और राष्ट्रबोध का हुआ उद्घोष

महराजगंज जनपद में आज नौतनवा स्थित शकुंतला मैरिज लॉन में भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में सनातन समाज के लोगों की सहभागिता रही, जिससे पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति एवं सांस्कृतिक चेतना से ओत-प्रोत दिखाई दिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रान्त प्रचारक श्री रमेश जी भाईसाहब ने कहा कि ह्लभारत, सनातन और संघ एक-दूसरे के पर्याय हैं। सनातन संस्कृति समाज को जोड़ने और राष्ट्र को सशक्त बनाने का मार्ग है।ह्व उन्होंने युवाओं से संस्कार, सेवा और राष्ट्रसमर्पण के भाव के साथ आगे आने का आह्वान किया तथा हिंदू समाज की एकता को राष्ट्र की सबसे

बड़ी शक्ति बताया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर डॉ. महेश योगी जी रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सुश्री विष्णू दीदी, ईश्वरीय विश्व विद्यालय की प्रमुख, उपस्थित रहीं। अतिथियों ने अपने विचारों के माध्यम से आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक समरसता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री नंदलाल जायसवाल जी ने की तथा संचालन श्री जन्मेजय सिंह जी द्वारा प्रभावशाली एवं अनुशासित ढंग से किया गया। आयोजन में हिंदू सम्मेलन समिति नौतनवा के जिलाध्यक्ष श्री सुधाकर जायसवाल, नगराध्यक्ष श्री गौतम जोशी, उपाध्यक्ष श्री संतोष जायसवाल, मंत्री श्री विजय श्रीवास्तव जी सहित समिति के अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग)

ज्ञापन

क्रमांक / क्यू/वाचक/2025 अम्बिकापुर,

प्रति

श्री रा.नि. राजस्व/रा.नि. नजूल / ह.प तहसील अम्बिकापुर।

विषय :-जांचकर प्रतिवेदन पेश करने बावत।

आवेदक/आवेदिका राज कुमार- पिता/पत्ति स्वः विक्की निवासी जोडा तालाब बाबुपारा तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ.ग. के द्वारा अपने दादी के जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए आवेदन पेश कर उल्लेख किया है कि स्व टूईची बाई का जन्म / मृत्यु दिनांक 23/04/2013 को स्थान निवास में हुआ है। आपको निर्देशित किया जाता है कि आप उक्त स्थल पर जाकर विस्तृत जांच करते हुए जन्म/मृत्यु का दिनांक/स्थान के संबंध में स्पष्ट प्रतिवेदन, मौका पंचनामा सहित अविलम्ग्रा कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

तहसीलदार
अम्बिकापुर,

तहसील रावर्टसगंज के ब्लाक नगवा व चतरा ग्राम पंचायतों में कराये गये विकास कार्यों एवं राजस्व विभाग से सम्बन्धित कार्यों का निरीक्षण व चैपाल की तिथि की गयी निर्धारित

सोनभद्र। ज्वांइट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी, रावर्टसगंज-सोनभद्र उत्कर्ष द्विवेदी ने अवगत कराया है की शीतकालीन भ्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत माह दिसम्बर 2025 एवं जनवरी 2026 में तहसील रावर्टसगंज के ग्राम पंचायतों में कराये गये विकास कार्यों एवं राजस्व विभाग से सम्बन्धित कार्यों का निरीक्षण व न्यायालय में विचाराधीन वादों के त्वरित निस्तारण तथा चैपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं को अपरान्ह 12.00 बजे से 03.00 बजे तक सुनी जायेगी। उन्होंने बताया की विकास खण्ड नगवा के ग्राम पंचायत पनिकपकला में 26 दिसम्बर, 2025 को, खलियारी में 02 जनवरी, 2026 को तथा मड़कुड़ी में 09 जनवरी, 2026 निरीक्षण की निर्धारित तिथि निर्धारित है। इसी प्रकार से विकास खण्ड चतरा के ग्राम पंचायत कसारी में 16 जनवरी, 2026 को, सिलथम में 23 जनवरी, 2026 को तथा बरईल में 30 जनवरी, 2026 को निरीक्षण की तिथि निर्धारित की गयी है। उन्होंने बताया की वर्तमान समय में चल रहे राजस्व के कार्य यथा ग्राम पंचायत के राजस्व ग्रामों में-सीमा स्तम्भ, फार्मर रजिस्ट्री, निर्विवाद वरासत, अंश निर्धारण, ग्राम पंचायत में गाँव सभा भूमि की स्थिति, पट्टेदारों के कब्जे की स्थिति, आदि कार्यों की समीक्षा की जायेगी, सम्बन्धित क्षेत्रीय लेखपाल/राजस्व निरीक्षक एवं अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारी निर्धारित तिथि व समय के पूर्व लम्बित कार्यों को अद्यावधिक करते हुये विवरण/अभिलेख के साथ उपस्थित रहते हुये चैपाल आदि की आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करायेगें।

रायगढ़ में विकास योजनाओं की मैराथन समीक्षा: कृषि मंत्री ने 13 विभागों को दिए सख्त निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कृषि तथा आदिम जाति विकास मंत्री एवं रायगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने आज रायगढ़ कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में राज्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं कार्यक्रमों सहित तेरह महत्वपूर्ण विभागों के कार्यों की गहन एवं बिंदुवार समीक्षा की। प्रभारी मंत्री मंगलवार को जिले के एक दिवसीय प्रवास पर थे।समीक्षा बैठक में वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने भी विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, राज्यसभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह, महापौर जीवर्धन चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिखा रविन्द्र गबेल, उपाध्यक्ष दीपक सिदार, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल सहित विभागीय अधिकारी एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

धान खरीदी और कृषि क्षेत्र में व्यापक निर्देश

कृषि मंत्री मंत्री श्री नेताम ने राज्य शासन की सर्वाधिक प्राथमिकता में शामिल धान खरीदी योजना की समीक्षा करते हुए स्पष्ट कहा कि वास्तविक किसानों को धान विक्रय में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने उपार्जन केंद्रों पर व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने, टोकन प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन तथा भुगतान समयबद्ध करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जिले से लगे पड़ोसी राज्यों की सीमाओं एवं प्रमुख मार्गों पर धान के अवैध परिवहन पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री नेताम ने कहा कि रायगढ़ जिले की जलवायु बहुआयामी एवं नकदी फसलों के लिए अत्यंत अनुकूल है। उन्होंने किसानों को उद्यानिकी, दलहन-तिलहन, सब्जी एवं नकदी फसलों की ओर प्रोत्साहित करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने मखाना की खेती को जिले में संभावनाशील बताते हुए इस दिशा में पायलट प्रोजेक्ट प्रारंभ करने पर जोर दिया। साथ ही कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र को संयुक्त रूप से तिल एवं अरहर की खेती को बढ़ावा देने हेतु वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक योजनाएं बनाने के निर्देश दिए।

पशुधन, मत्स्य और वनांचल आधारित आजीविका पर जोर

पशुधन विकास विभाग, मत्स्य पालन विभाग की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने कुक्कुट पालन, बकरी पालन एवं मत्स्य पालन को किसानों की आय वृद्धि का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। उन्होंने इन योजनाओं से अधिक

से अधिक किसानों को जोड़ने, प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वनांचल क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों की आजीविका बढ़ाने के उद्देश्य से सूकर पालन को उनकी रुचि के अनुसार प्रोत्साहित करने पर भी विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी।

वन्यजीव संरक्षण और जनजागरूकता पर विशेष निर्देश

प्रभारी मंत्री श्री नेताम ने वनांचल क्षेत्रों में जंगली जानवरों के अवैध शिकार, विशेषकर बिजली करंट जैसे खतरनाक साधनों के उपयोग से होने वाली घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं न केवल वन्यजीवों के लिए घातक हैं, बल्कि कई बार जनहानि का कारण बनकर पीड़ित परिवारों को वर्षों पीछे धकेल देती हैं। उन्होंने वन विभाग, प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों को मिलकर जनजागरूकता अभियान चलाने, क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों को समझाइश देने तथा सख्त निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में प्रभारी मंत्री ने कुपोषण की दर में प्रभावी कमी लाने के लिए आंगनबाड़ी सेवाओं के सुदृढ़ क्रियान्वयन, पोषण आहार की गुणवत्ता एवं नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, प्राथमिक उपचार, मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। शिक्षा विभाग की समीक्षा में विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता, मूलभूत सुविधाओं एवं छात्र उपस्थिति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

प्रधानमंत्री जनमन, आवास और सूर्य घर योजना पर फोकस

आदिमजाति विकास विभाग की समीक्षा में प्रभारी मंत्री ने प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत स्वीकृत सड़क, पुल-पुलिया, आंगनबाड़ी भवन, सामुदायिक भवन एवं आवास निर्माण कार्यों में तेज प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत सभी आवासों को उच्च गुणवत्ता एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने पर जोर दिया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने जिले में इसके विस्तार एवं क्रियान्वयन को गति देने के निर्देश दिए। और कहा कि आने वाले समय में यह योजना ऊर्जा क्षेत्र की बड़ी आवश्यकता साबित होगी। समीक्षा बैठक में वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने राज्य शासन की प्राथमिकता में शामिल रेडी-टू-ईट निर्माण हेतु जिले में प्रस्तावित दस मध्यम उद्योगों की स्थापना की जानकारी ली और सुचारु रुप से उत्पादन में आ रही अड़चनों को दूर कर निर्धारित मानक गुणवत्ता के साथ उत्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में खाद्य विभाग, राजस्व विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, बिजली विभाग, लोक सेवा गारंटी, आदिम जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग सहित सभी संबंधित विभागों की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने योजनाओं के प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ में खेलों का विकास हमारी प्राथमिकता- मुख्यमंत्री श्री साय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज यहां राजधानी रायपुर के कोटा रोड स्थित स्वामी विवेकानंद एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित 45वीं एनटीपीसी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के शुभारंभ किया। उन्होंने 45वीं एनटीपीसी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी और खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का यह सौभाग्य है कि प्रदेश को राष्ट्रीय ट्राइबल गेम्स के आयोजन का अवसर मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलो इंडिया के माध्यम से देश की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के बहुत अच्छे अवसर मिल रहे हैं।

सुशासन, संवेदना और सुरक्षा : श्रमिक हित में छत्तीसगढ़ सरकार के दो वर्ष

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। सुशासन केवल प्रशासनिक दक्षता का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की संकल्पबद्ध प्रक्रिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दूरदर्शी नेतृत्व और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ शासन का श्रम विभाग विगत दो वर्षों में इसी सुशासन की भावना को धरातल पर साकार करता हुआ दिखाई देता है। इस अवधि में श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा, उनके जीवन को सुरक्षित और सम्मानजनक बनाने तथा उन्हें सामाजिक-आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए अनेक ऐतिहासिक और जनहितकारी कदम उठाए गए हैं। विष्णु के सुशासन की स्पष्ट झलक श्रम विभाग द्वारा अपनाए गए डिजिटल नवाचारों में दिखाई देती है। प्रशासनिक पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से समस्त नस्तियों का संधारण ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से प्रारंभ किया गया है। विभागीय योजनाओं और सेवाओं को आमजन के लिए सरल, सुलभ और पारदर्शी बनाने हेतु एक आधुनिक, यूजर-फ्रेंडली विभागीय वेबसाइट विकसित की गई है। श्रमिकों की सुविधा को केंद्र में रखते हुए तैयार किया गया ह्यश्रमेव जयते मोबाइल ऐप श्रमिक पंजीयन, योजनाओं में आवेदन तथा श्रमिक पलायन की ऑनलाइन जानकारी दर्ज करने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है, जो डिजिटल सुशासन की दिशा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। राज्य के नवगठित जिलों तक श्रम विभाग की प्रभावी पहुँच सुनिश्चित करने के लिए पाँच नवीन श्रम पदाधिकारी कार्यालयों की स्थापना हेतु 20 पदों का सृजन किया गया। इसके साथ ही वर्ष 2024-25 के दौरान श्रमायुक्त संगठन अंतर्गत श्रम पदाधिकारी, श्रम निरीक्षक एवं उप निरीक्षक के पदों पर कुल 32 नई नियुक्तियाँ की गईं। इन प्रयासों से न केवल विभागीय कार्यों में गति आई, बल्कि श्रमिकों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ भी सुनिश्चित हुईं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने श्रम कानूनों में आवश्यक और संतुलित सुधार करते हुए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और श्रमिक हितों के मध्य सामंजस्य स्थापित किया है। छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना अधिनियम, 2017 के प्रभावी क्रियान्वयन से छोटे व्यापारियों को राहत मिली, वहीं नियत कालिक नियोजन कर्मकार की नई श्रेणी ने रोजगार के नए अवसरों के द्वार खोले। राष्ट्रपति की अनुमति के उपरांत लागू किए गए छत्तीसगढ़ श्रम कानून संशोधन एवं विविध प्रावधान विधेयक, 2025 के माध्यम से अवैधानिक हड़ताल पर नियंत्रण, छोटे अपराधों में समझौते तथा लघु उद्योगों को छूट जैसे प्रावधान किए गए। महिला सशक्तिकरण की दिशा में रात्रि पाली में महिला कर्मकारों के सशर्त नियोजन की अनुमति देना सरकार की प्रगतिशील और संवेदनशील सोच को दशार्ता है। श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में श्रमिक कल्याण योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सरकार की मानवीय प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। विभिन्न श्रम मंडलों के माध्यम से दो वर्षों में 11.03 लाख नए श्रमिकों का पंजीयन किया गया तथा 27.33 लाख श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। इस अवधि में 784.73 करोड़ रुपये से अधिक की राशि श्रमिक कल्याण पर व्यय की गई, जो यह दशार्ती है कि यह सरकार आंकड़ों से आगे बढ़कर संवेदना के साथ श्रमिकों के जीवन में बदलाव ला रही है। 247 संचालित मुख्यमंत्री श्रमिक सहायता केंद्र ने शिकायत निवारण और पंजीयन प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाया है। वहीं प्रत्येक जिले और विकासखंड में संचालित मुख्यमंत्री श्रम संसाधन केंद्रों ने प्रशासन को सचमुच श्रमिकों के द्वार तक पहुँचाया है।

निर्माण श्रमिकों के पंजीयन में स्व-घोषणा प्रमाण पत्र की व्यवस्था ने प्रक्रियाओं को सरल किया, जबकि मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के माध्यम से सैकड़ों श्रमिक परिवारों को अपने पक्के आवास का सपना साकार करने में सहायता मिली। मिनीमाता महतारी जतन योजना एवं असंगठित कर्मकार महतारी जतन योजना के अंतर्गत लाखों महिला श्रमिकों को प्रसूति सहायता प्रदान की गई, जिससे मातृत्व सुरक्षा को नया संबल मिला। श्रमिक परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए शिक्षा, पोषण और सामाजिक सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया।

किसानों की सुविधाओं और मंडी अधोसंरचना को मिलेगा नया आयाम: कृषि मंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर रायगढ़ जिले में कृषि एवं मंडी अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। कृषि मंत्री एवं रायगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री राम विचार नेताम ने आज कृषि उपज मंडी समिति पटेलपाली रायगढ़ में 6.15 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत पूजा-अर्चना के साथ भूमिपूजन किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी सहित जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व

में राज्य सरकार किसानों के कल्याण और कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में जनादेश परब का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विकास कार्यों को जनता के सामने प्रस्तुत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी के अंतर्गत की गई घोषणाओं को ईमानदारी से धरातल पर उतारा जा रहा है। आज जिन कार्यों का भूमिपूजन किया गया है, उनसे किसानों को बेहतर भंडारण सुविधा, सुगम आवागमन और आधुनिक मंडी अधोसंरचना उपलब्ध होगी, जिससे कृषि उपज के प्रबंधन और विपणन में उल्लेखनीय सुधार आएगा। इन कार्यों के पूर्ण होने से मंडी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी, किसानों को उपज के भंडारण एवं विक्रय में सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र के समग्र आर्थिक विकास को गति प्राप्त होगी।

रायगढ़ को नई पहचान मिल रही: वित्त मंत्री

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि प्रदेश में सरकार के गठन के बाद से रायगढ़ जिले में अभूतपूर्व विकास कार्य किए जा रहे हैं। मंडी क्षेत्र में हुए विकास को किसान और व्यापारी प्रत्यक्ष रूप से महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री के नेतृत्व में मंडियों का विकास किसानों के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि मजबूत कृषि अधोसंरचना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी और किसान सशक्त होंगे। उन्होंने राष्ट्रीय किसान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए जय जवान-जय किसान का नारा दिया। कार्यक्रम के दौरान विभागीय योजनाओं के अंतर्गत 15 हितग्राहियों को सामग्री एवं चेक का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान कृषक संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसमें किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों, आधुनिक तकनीक और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर कृषक प्रतिनिधि आमोद नायक एवं माधव साव द्वारा प्रभारी मंत्री को जैविक जवाफूल चावल भेंट किया गया। इस अवसर पर नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्रीलाल साहू, जनपद पंचायत पुसौर अध्यक्ष श्रीमती हेमलता चौहान, अरुण धर दीवान, अभिषेक शुक्ला, उमेश अग्रवाल, विकास केडिया, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।

युवा ही प्रदेश और देश का भविष्य हैं: मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के युवाओं की प्रतिभा, ऊर्जा और रचनात्मक क्षमता को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से आयोजित राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आज बिलासपुर के बहतराई स्टेडियम में भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने तीन दिवसीय इस महोत्सव का उद्घाटन करते हुए खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स छत्तीसगढ़ 2026 के शुभंकर ह्यमोर वीर, थीम सॉन्ग एवं खेलो इंडिया टॉर्च का रिमोट बटन दबाकर अनावरण किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। उद्घाटन समारोह में अबूझमाड़ क्षेत्र के खिलाड़ियों द्वारा मलखंब की उत्कृष्ट प्रस्तुति दी गई। महिला कबड्डी खिलाड़ी संजू देवी

एवं एथलेटिक्स खिलाड़ी अमित कुमार द्वारा खेलो इंडिया टॉर्च का अनावरण किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा ही देश और प्रदेश का भविष्य हैं। राज्य सरकार शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और खेल सहित हर क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। यह युवा महोत्सव न केवल युवाओं की प्रतिभाओं को पहचान देने का मंच है, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम भी है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर खेलो इंडिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि देने, मलखंब खिलाड़ियों को एक लाख रुपये की विशेष प्रोत्साहन राशि प्रदान करने तथा अमेरिका गॉट टैलेंट में चयनित मलखंब खिलाड़ी अनतई पोटाई के अमेरिका आने-जाने का सम्पूर्ण व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किए जाने की घोषणा की।

छत्तीसगढ़ में कौशल-एकीकृत औद्योगिक विकास को मिल रही नई गति - विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भविष्य-उन्मुख कौशल विकास के साथ औद्योगिक विकास को सुदृढ़ रूप से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास विभाग एवं वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा 23 दिसंबर 2025 को छत्तीसगढ़ स्किल टेक का आयोजन किया गया। यह उद्योग-केंद्रित निवेश कार्यक्रम प्रधानमंत्री सेतु योजना (पीएम सेतु) के अंतर्गत कौशल विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

गेल का 10,500 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट बना प्रमुख आकर्षण

इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न

निवेश प्रस्तावों पर समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए गए तथा निवेश आमंत्रण पत्र जारी किए गए। कुल मिलाकर 13,690 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावित निवेश सामने आए हैं, जिनसे राज्य में 12,000 से अधिक रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है। ये निवेश विभिन्न क्षेत्रों में कौशल-आधारित रोजगार को मजबूती प्रदान करेंगे।

कौशल-आधारित औद्योगिक विकास की धुरी बना गेल का प्रोजेक्ट

निवेश प्रतिबद्धताओं में गेल का प्रस्तावित गैस-आधारित उर्वरक संयंत्र राज्य के लिए एक प्रमुख एवं सबसे बड़े औद्योगिक प्रस्तावों में से एक के रूप में उभरकर सामने आया। लगभग 10,500 करोड़ रुपये के प्रथम चरण निवेश तथा 1.27 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) यूरिया उत्पादन क्षमता के साथ यह परियोजना छत्तीसगढ़ को देश के डाउनस्ट्रीम पेट्रोकेमिकल एवं उर्वरक मानचित्र पर सशक्त रूप से स्थापित करेगी। यह प्रस्तावित परियोजना गेल की मुंबई-नागपुर-झारसुगुड़ा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन (एमएनजेपीएल) के साथ प्लान की गई है।

कैबिनेट मंत्री ने खैरबार और जुनाडीह में बहुप्रतीक्षित विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के संकल्प के साथ पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के अंबिकापुर विकासखंड के खैरबार में समूह जल प्रदाय योजना और लखनपुर विकासखंड के जुनाडीह में 50 सीटर आदिवासी पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास के निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। लगभग 4604.12 लाख रुपये की लागत से खैरबार में होने वाले बहुप्रतीक्षित समूह जल प्रदाय योजना से अम्बिकापुर क्षेत्र के 32 ग्रामों को शुद्ध पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिससे ग्रामीणों की वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का स्थायी समाधान होने की उम्मीद है।

4604.12 लाख की समूह जल प्रदाय योजना से 32 ग्रामों को शुद्ध पेयजल

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छ पेयजल हर नागरिक का बुनियादी अधिकार है और राज्य सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी गांव इस सुविधा से वंचित न रहे। समूह जल प्रदाय योजना के पूर्ण होने पर इन 32 ग्रामों की बड़ी आबादी को हैंडपंप और असुरक्षित जल स्त्रोतों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, साथ ही जलजनित बीमारियों में भी कमी आएगी। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से अपील की कि योजना के क्रियान्वयन में पूर्ण

सहयोग देते हुए जल संरचनाओं की दीर्घकालिक सुरक्षा में भी भागीदार बनें। लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम जुनाडीह में 1.89 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले 50 सीटर आदिवासी पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास का भूमिपूजन करते हुए मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा के बिना समग्र विकास संभव नहीं है। यह छात्रावास दूरस्थ आदिवासी इलाकों के मेधावी और इच्छुक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित और सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराएगा, जिससे उन्हें शहरों तक बार-बार आवागमन की कठिनाइयों से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आदिवासी अंचलों में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए विशेष प्रयास कर रही है, ताकि कोई भी बच्चा केवल संसाधनों के अभाव में अपनी पढ़ाई बीच में न छोड़े। छात्रावास के संचालित हो जाने पर अधिक से अधिक विद्यार्थियों को हाईस्कूल एवं उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर होने का अवसर मिलेगा, जिससे क्षेत्र का सामाजिक और आर्थिक विकास गति पकड़ेगा। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संकल्प है कि सरकार की योजनाएँ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचें और हर गाँव को मूलभूत सुविधाओं से सशक्त बनाया जाए। स्वच्छ पेयजल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों पर केंद्रित ये परियोजनाएँ उसी प्रतिबद्धता की कड़ी हैं।

सुशासन सप्ताहः तहसील प्रतापपुर में आवेदक को मिली नकल की कॉपी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सुशासन सप्ताह – सुशासन गांव की ओर अभियान के तहत तहसील कार्यालय प्रतापपुर में प्राप्त नकल आवेदन का त्वरित निस्तारण कर आवेदकों को नकल प्रदान की गई। सुशासन सप्ताह के दौरान तहसील कार्यालय द्वारा जनसेवा को प्राथमिकता देते हुए लंबित नकल आवेदनों का तत्काल निस्तारण किया जा रहा है । तहसील कार्यालय में प्राप्त समस्त नकल आवेदनों की जांच कर त्वरित कार्यवाही की जा रही है और आवेदकों को नकल उपलब्ध कराई जा रही है। नकल प्राप्त करने वाले आवेदक ने प्रशासन की त्वरित कार्यवाही की सराहना की। उन्होंने कहा कि सुशासन सप्ताह के दौरान मिली इस त्वरित सेवा से उनका काफी समय बचा और उन्हें परेशानी नहीं उठानी पड़ी।

आवास चौपाल के माध्यम से कलेक्टर ने पीएम आवास हितग्राहियों की सुनी समस्याएं

0 बेहतर आवास बनाने पर हितग्राहियों को किया गया सम्मानित
0 निर्माणाधीन आवासों को जल्द पूर्ण करने की अपील

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शासन के महत्वपूर्ण प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में प्रगति की निरंतर समीक्षा राज्य कार्यालय से की जा रही है। कलेक्टर एस जयवर्धन एवं सीईओ जिला पंचायत विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन एवं निर्देश में जिले के समस्त ग्राम पंचायतों में आवास चौपाल के माध्यम से हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिए प्रेरित किए जाने का कार्य किया जा रहा है।

सुशासन सप्ताह के तहत जिले में अब तक 350 से अधिक जगहों पर आवास चौपाल आयोजित कर लगभग 10 हजार हितग्राहियों से समन्वय स्थापित किया जा चुका है। इसी अनुक्रम में बुधवार को कलेक्टर श्री जयवर्धन की अध्यक्षता में जनपद पंचायत भैयाथान के ग्राम बंजा में सेक्टर बनाकर आवास चौपाल आयोजित किया गया। उक्त चौपाल में हितग्राहियों से वन टू वन चर्चा कर आवास नहीं बनाने के कारणों से अवगत हुए। सेक्टर में उपस्थित संबंधित ग्राम पंचायत बंजा, सोनपुर शि, खड़गवां, जूर, शिवप्रसादनगर, कुसमुसी एवं भंवराही के सरपंचों ने पीएम आवास निर्माण में अपनी भूमिका के बारे में संक्षेप में बताया। कलेक्टर ने कहा कि पीएम आवास के निर्माण की निगरानी राज्य कार्यालय से निरंतर हो रही है। शासन आपसे अपील करता है कि आपको अगर आवास की स्वीकृति मिली है तो आप बिना विलंब किए, आवास को पूर्ण करा लीजिए। आज के समय में सारी चीजें कंप्यूटरीकृत हो चुकी है, अतः योजनाओं का लाभ भी शासन के एक क्लिक पर है। आवास के स्वीकृति दिनांक से लेकर आपके निर्माण पूर्ण करने तक की पूरी जानकारी है। जो ग्राम पंचायत जल्दी आवास पूर्ण कर रहे है, वहां पर प्रतीक्षा सूची से नाम जल्दी आ रहे है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विजेंद्र सिंह पाटले ने कहा कि सेक्टर में विगत 2 वर्षों के कार्य को देखे तो 325 हितग्राहियों के आवास पूर्ण होने लंबित है इन हितग्राहियों को जल्द आवास पूर्ण करना चाहिए, ताकि हाल में सर्वे हुए सूची से नामों को स्वीकृति प्रदान की जा सके।

चौपाल में उपस्थित हितग्राहियों में से 6 माह के भीतर अच्छा और जल्दी आवास पूर्ण करने वाले शिवप्रसादनगर के शिवधारी,शंकर, भंवराही के श्रीमती बेलसिया इंद्रपाल एवं बंजा के घनश्याम कलेश्वर को उपहार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही घनश्याम के आवास पर जाकर विधिवत पूजा पाठ करते हुए, आवास में गृह प्रवेश कराया गया।

मजदूर कांग्रेस के पदाधिकारियों ने नए डीआरएम से की मुलाकात

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। साऊथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस के मण्डल समन्वयक विजय अग्निहोत्री जोनल कोषाध्यक्ष साईं किरण चंदू एवं डीआरएम कार्यालय ब्रांच सचिव राणा नंदी के साथ बिलासपुर मण्डल के नवपदस्थ मण्डल रेल प्रबन्धक राकेश रंजन के बिलासपुर डीआरएम पद पर पदभार संभालने पर मजदूर कांग्रेस की ओर से स्वागत कर शुभकामनाएं बधाई दी।

रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने बताया कि इस बैठक में अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक तथा वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी डॉ. अंशुमन मिश्रा भी मौजूद थे। भेंट में कर्मचारियों से संबंधित अनेक विषयों पर चर्चा हुई, जिसमें मुख्यतः मेडिकल विभाग से संबंधित विषय जैसे कोरबा, बृजराजनगर एवं उमरिया में मेडिकल सुविधा ना होने के कारण अन्य निजी अस्पतालों के साथ टाईअप करने हेतु विस्तृत चर्चा की गई एवं लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, सीनियर टेक्नीशियन, ट्रैक मेंटेनर के पदोन्नति एवं साथ में वाणिज्य विभाग के सीसीटीसी के पदोन्नति को भी 31 दिसम्बर के पूर्व लागू करने हेतु बात की गई। मण्डल रेल प्रबंधक से अन्य मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। इस मुद्दों पर मण्डल रेल प्रबंधक द्वारा जल्द से जल्द निराकरण हेतु आश्वस्त किया गया। यह जानकारी रेलवे मजदूर के ब्रांच सेक्रेट्री पप्पू सिंह ने दी है।

नगर पंचायत जरही में निःशुल्क स्वास्थ्य मेला एवं जनजागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार विकासखण्ड स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेला एवं जनजागरूकता शिविर का आयोजन जिला आयुष अधिकारी के मार्गदर्शन में शिविर प्रभारी डॉ रुद्र प्रताप राजवाड़े द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ नगर पंचायत अध्यक्ष श्री पूरन राम राजवाड़े, पार्षद राहुल जायसवाल, विवेक सिंह, सियाराम राजवाड़े, रामकुमार राजवाड़े की गरिमामयी उपस्थिति में भगवान धन्वंतरि और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं धन्वंतरि स्तवन करके किया गया, तत्पश्चात आए हुए सभी सामान्य अतिथियों का स्वागत पुष्पमाला से किया गया। शिविर में वात व्याधि, मधुमेह (डायबिटीज), उच्च रक्तचाप (ब्लड प्रेशर), सर्दी, खांसी, ज्वर, स्त्रीरोग, बालरोग, उदर रोग, चर्म रोग जैसे अन्य रोग के रोगियों को आयुर्वेद एवं होम्योपैथिक विशेषज्ञयों द्वारा परामर्श देकर निरूशुल्क औषधियों का वितरण किया गया। शिविर में 305 रोगियों को लाभ मिला तथा सभी अतिथि एवं रोगीयों को पेय पदार्थ के रूप में आयुष काढ़ा का भी सेवन कराया गया। शिविर को सफल बनाने में डॉ. राखी केशरवानी, डॉ. निलेश सिंह सिकरवार, डॉ. स्वाति पटेल, डॉ. रितु नेताम, कमलेश सोनी जी, फार्मासिस्ट श्री राकेश पाण्डेय, श्री देवेंद्र सिदार, श्री भूपेश सिदार, श्री मोहित राम, श्री अवध लाल सिंह एवं औषधालय सेवक इंद्रावती भगत आदि अधिकारी कर्मचारियों ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया तथा उनकी उपस्थिति में सफलता पूर्वक शिविर का समापन किया गया। आभार प्रदर्शन शिविर प्रभारी डॉ. रुद्र प्रताप राजवाड़े के द्वारा किया गया।

26 दिसंबर को कलेक्टोरेट सभा कक्ष में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी प्रबंध समिति बैठक का होगा आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी शाखा 26 दिसंबर को कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के अध्यक्षता में प्रबंध समिति का बैठक रखा गया है। जिसमें सदस्यता अभियान पर चर्चा, वार्षिक बजट आय व्यय एवं ऑडिट पर चर्चा, बाढ़ अतिवृष्टि जल भराव में राहत पर चर्चा प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण पर चर्चा, जूनियर रेड क्रॉस के अंतर्गत जिले के समस्त शालाओं में पंजीयन पर चर्चा, वित्त समिति, जूनियर रेड क्रॉस उप समिति, यूथ रेड क्रॉस उप समिति, स्वास्थ्य समिति आपदा प्रबंधन समिति के अतिरिक्त प्रबंध समिति स्थानीय स्तर पर समिति का गठन करना उचित हो इन सब पर चर्चा किया जाएगा।

इस बैठक के लिए इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन बाबूलाल अग्रवाल, वाइस चेयरमैन ओमकार पांडे, श्रवण जैन, अशोक कुमार अग्रवाल एवं जिले के सभी प्रबंधन समितियों के सदस्य इस बैठक में शामिल रहेंगे।

कलेक्टर ने ली जीवनदीप एवं जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बुधवार को यहां कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में जीवनदीप समिति की कार्यकारिणी सभा तथा जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत विभिन्न समितियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले, संयुक्त कलेक्टर, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, हाउसिंग बोर्ड, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जीवनदीप समिति के आय-व्यय पर विस्तार से चर्चा की गई। यहां जिला चिकित्सालय में सीटी स्कैन सुविधा, सामान्य कचरा प्रबंधन, आईसीयू, कंट्रोल रूम, शिशु वार्ड, आईसीयू एवं फिजियोथेरेपी विभाग में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता तथा अस्पताल सुविधाओं के विस्तार को लेकर समिति सदस्यों से सुझाव लिए गए। इसके अलावा कलेक्टर ने पोषण पुनर्वास केंद्रों की स्थिति एवं कार्यप्रणाली की समीक्षा की तथा वय वंदन कार्ड से संबंधित जानकारी ली। बैठक में राष्ट्रीय चिरायु कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को उपलब्ध कराई गई स्वास्थ्य सेवाओं, कैटेगरीवार बच्चों के फॉलोअप तथा निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धि सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री जयवर्धन ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

मंत्री लक्ष्मी व विधायक भूलन के प्रयास से ओड़गी-बिशुनपुर सड़क हेतु मिली 32 करोड़ की स्वीकृति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ओड़गी से बिशनपुर तक लोक निर्माण विभाग की सड़क के मजबूतीकरण का सपना अब साकार होने जा रहा है। लगभग 32 किलोमीटर लंबी इस महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए 32 करोड़ रुपये की बड़ी राशि स्वीकृत की गई है।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने जताया आभार

इसके लिए वित्त मंत्रालय द्वारा आदेश भी जारी कर दिया गया है, जिससे क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर है। इस महत्वपूर्ण स्वीकृति पर भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी ने महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े एवं प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मंत्री एवं विधायक के लगातार प्रयास, सतत पत्राचार और गंभीर पहल के कारण ही यह बहुप्रतीक्षित सड़क परियोजना स्वीकृत हो सकी है। जिलाध्यक्ष श्री सोनी ने कहा कि ओड़गी-बिशनपुर मार्ग क्षेत्र के लिए जीवनरेखा समान है। सड़क जर्जर होने के कारण ग्रामीणों, मरीजों, विद्यार्थियों एवं व्यापारियों को आए दिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब सड़क मजबूतीकरण के बाद आवागमन सुगम होगा, समय की बचत होगी और दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। उन्होंने कहा कि यह सड़क न सिर्फ यातायात सुविधा बढ़ाएगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास को भी नई गति देगी। ग्रामीणों ने भी सड़क निर्माण की स्वीकृति पर जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे लंबे समय से चली आ रही मांग का पूरा होना बताया।

विवेचना कौशल को बढ़ाने नवीनतम कानूनी पहलुओं से रहे अपडेट : प्रशांत

0 एसएसपी ने ली पुलिस अधिकारियों की अपराध समीक्षा बैठक
0 नव वर्ष पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम और हुड़दंगियों पर सख्ती के दिये निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां जिला पुलिस कार्यालय में मंगलवार को एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर द्वारा अपराध समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में साल भर के अपराधों, लंबित मामलों, कानून व्यवस्था, साइबर अपराध, नशे के खिलाफ कार्रवाई की समीक्षा की गई और अधिकारियों को पारदर्शी, प्रभावी और संवेदनशील पुलिसिंग के साथ-साथ डिजिटल पुलिसिंग और जांच में सुधार के निर्देश दिए ताकि अपराध नियंत्रण हो और जनता का पुलिस पर विश्वास बढ़े। कानून व्यवस्था को मजबूत और सुदृण बनाए रखने की दिशा में जिम्मेदारीपूर्वक संवेदनशील होकर कार्य करने एवं आगामी त्यौहार व नववर्ष पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। एसएसपी ने लंबित अपराधों के निकाल पर जोर देते हुए कहा कि वर्ष समाप्ति की ओर है सभी लंबित केस, चालान, मर्ग और शिकायतों को जल्द और गुणवत्तापूर्ण तरीके से निराकरण करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम जनता की समस्याएं धैर्य से सुने, उनसे अच्छा व्यवहार रखें और संवेदनशील तरीके से समाधान करें। थानों के कार्यो को डिजिटल बनाने और सीसीटीएनएस जैसी तकनीकों का उपयोग करने पर जोर दिया गया। नशे के खिलाफ सख्त रुख अपनाने और जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और सड़क सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने को कहा। थाना प्रभारियों को कहा कि विवेचना कौशल को बढ़ाने और नवीनतम कानूनी पहलुओं से अपडेट रहे। खुफिया आधारित पुलिसिंग, संवेदनशील इलाकों की निगरानी और अपराधियों पर पैनी नजर रखते हुए प्रभावी नियंत्रण और बेहतर कानून व्यवस्था सुनिश्चित करें। बेसिक पुलिसिंग के तहत विवेचकों के साप्ताहिक डायरी के सुपरविजन, बीट प्रणाली में प्रत्येक पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी तय करने करने के निर्देश दिए।

आगामी त्यौहार एवं नववर्ष के अवसर पर संभावित घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए सतर्क एवं सूक्ष्म निगाह रखने, सुरक्षा इंतजाम को पुख्ता बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी दुर्घटना के पश्चात उत्पन्न होने वाली कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने हेतु पूर्व तैयारी सुनिश्चित की जाए।

यातायात नियमों के उल्लघंन एवं शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही की जाए। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, सीएसपी एस.एस. पैंकरा, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, डीएसपी अनूप एक्का, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, एसडीओपी अभिषेक पैंकरा, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर सहित जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

कांकेर की घटना एवं धर्मांतरण के विरोध में बंद रहा शहर, हुई जनसभा, निकली आक्रोश रैली

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कांकेर जिला के आमाबेड़ा-बड़ेतेबड़ा मे जनजातीय समाज के ऊपर हिंसक हमला एवं धर्मांतरण के विरोध में बुधवार को शहर बंद रहा। अग्रसेन चौक में सर्व समाज के द्वारा जनसभा का आयोजन किया गया ततपश्चात शहर में जन आक्रोश रैली निकाली गई और मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौपा गया।

सर्व समाज ने मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को सौपा ज्ञापन

धर्मांतरण की घटनाओं पर रोक लगाने की मांग को लेकर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के तत्वावधान में आक्रोश रैली निकाली गई। इस आंदोलन का व्यापारियों ने भी पूर्णतः नगर में साथ दिया और नगर बंद का असर पूर्णता देखने को मिला। समाज के लोगो ने आरोप लगाया कि कुछ क्षेत्रों में दबाव, प्रलोभन या गलत जानकारी के माध्यम से धर्मांतरण कराया जा रहा है, जिस पर प्रशासन एवं कलेक्टर को सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने कानून का कड़ाई से पालन, जांच की पारदर्शी प्रक्रिया, और दोषियों पर त्वरित कार्रवाई की मांग रखी। प्रशासन की ओर से ज्ञापन स्वीकार करते हुए आश्वासन दिया गया कि मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी तथा शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखी जाएगी। मंच पर सभी समाजों के प्रमुखों को ससम्मान स्थान दिया गया, राजवाड़े समाज से सुश्री शशि राजवाड़े ने कहा की छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण चरम पर पहुंच गया है धर्मांतरण होने से अपने ही परंपरा संस्कृति देवी देवताओं का पूजन का खुलकर विरोध करता है यह सीधा-सीधा हमारी आस्था और श्रद्धा के साथ खिलवाड़ है। साहू समाज से अनुज साहू ने अपने वक्तव्य में कहां की वहां के संबंध पुलिस अधीक्षक, तहसीलदार अन्य अधिकारी ने निष्ठा पूर्वक कांकेर घटना को लेकर निष्पक्ष पहल नहीं किया पीड़ित जनजातीय समाज पर ही कार्यवाही की यह अत्यंत घोर निंदनीय है, ब्राह्मण समाज से मनोज पांडेय ने कांकेर जिले की घटना का निष्पक्ष से जांच बैठानी चाहिए और अराजक फैला रहे और सामाजिक तत्वों पर कठोर से कठोर कार्यवाही करनी चाहिए एवं जनजातीय समाज के संभाग प्रमुख बाबूलाल मोरापो ने कांकेर जिले के आमाबेड़ा की विस्तृत जानकारी दी, और अपने वक्तव्य में ईसाई मिशनरियों और भीम आर्मी के संयुक्त षड्यंत्र जो जनजातीय समाज पर हमला देखने को मिला यह जनजातीय समाज की सीधा परंपरा आस्था को ठेस पहुंचाया है। धर्मांतरण के कारण घर-घर में गांव-गांव में अराजकता फैल रही है और अपने ही परंपरा के दुश्मन होते जा रहे हैं। धर्मांतरण के खिलाफ ठोस कानून की आवश्यकता है अंत में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन का वाचन दिनेश साहू के द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में अनेकों समाज के प्रमुख शामिल थे।

गर्भवती महिलाओं हेतु बिहारपुर एवं ओड़गी स्वा.केंद्र में हुआ विशेष स्वास्थ्य जाँच सत्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्र ओड़गी ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कलेक्टर एस. जयवर्धन के दिशा निर्देशन व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के.डी. पैकरा मार्गदर्शन तथा खंड चिकित्सा ओड़गी डॉ. बंटी बैरागी के नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर के प्रभारी अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा की अगुवाई में सभी गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य जाँच सत्र आयोजित किए गए। जिसमें 68 गर्भवती महिलाओं का निःशुल्क प्रसव-पूर्व देखभाल, विशेषज्ञ परामर्श और आवश्यक दवाएँ उपलब्ध कराया गया, ताकि माँ और शिशु का स्वास्थ्य सुरक्षित रहे। इस अभियान में एनीमिया, रक्तचाप, शुगर और भ्रूण की जाँच पर जोर दिया जाता है और यह ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के लिए विशेष महत्वपूर्ण पहलू है, गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रसव-पूर्व देखभाल सुनिश्चित करना और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाना है।

निःशुल्क जाँच, डॉक्टर के द्वारा बताए गये, दवाएँ, पोषण संबंधी परामर्श, और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की पहचान कर उनका प्रबंधन किया गया। एनीमिया, रक्तचाप, वजन, पेशाब और रक्त शर्करा की जाँच की गई। साथ ही सभी गर्भवती महिलाओं से आग्रह किया गया कि वे प्रत्येक माह के 24 एवं 9 तारीख को अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर आकर इन सुविधाओं का लाभ उठाएँ। इस दौरान बिहारपुर, नवाटोला, कुबेरपुर, हथिचुवा, देवडी, पासल, सेमरा, ठाड़पाथर, अवंतिकापुर, खालबहरा सहित पहुँचविहीन क्षेत्रों से गर्भवती महिलाओं के द्वारा स्वास्थ्य जाँच परीक्षण करता गया। अभियान को सफल बनाने में डॉ. तरुण सिंह, अनुज सिंह, चंद्रिका प्रसाद कुशवाहा, सीएचओ, ए.एन.एम.,काउंसलर कविता साहू स्टाफ नर्स श्रीमती दुर्गा, गीता सहित मितानिन कार्यक्रम के एमटी, मितानिन कार्यकर्ता एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अधिकारी उपस्थित रहे।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

कांकेर में हिंसा और कथित धर्मांतरण के विरोध में छत्तीसगढ़ बंद का सरगुजा में रहा मिला-जुला असर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कांकेर में हिंसा और कथित धर्मांतरण के विरोध में सर्व समाज ने छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान किया, जिसका सरगुजा में मिला-जुला असर देखने को मिला। सुबह से सर्व समाज के पदाधिकारियों ने अंबिकापुर शहर में दुकानों को बंद कराया, दोपहर बाद व्यापारियों ने दुकानें खोल दी, क्रिसमस के समय बंद के आह्वान से व्यापारियों में निराशा थी। ग्रामीण क्षेत्रों में दुकानें सामान्य रूप से खुली रहीं।

इसके बाद सर्व समाज ने गांधी चौक स्थित डाटा सेंटर के सामने सभा का आयोजन किया, जिसमें अजय इंगोले ने कहा कि धर्मांतरण की घटनाएं हिन्दू समाज और हमारी संस्कृति पर हमला हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीधे-साधे लोगों को प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराया जा रहा है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभा के बाद सर्व समाज की एक रैली कलेक्टोरेट पहुंची, जहां ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि कांकेर जिले के आमाबेड़ा क्षेत्र में हाल ही में हुई हिंसा और कथित धर्मांतरण की घटनाओं के विरोध में सर्व समाज, छत्तीसगढ़ ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में सर्व समाज ने आरोप लगाया कि ईसाई मिशनरी समूहों और भीम आर्मी के तत्वों ने जनजातीय समाज पर हमले किए, शवों को जबरन दफन किया और सामाजिक सौहार्द्र को बिगाड़ने की कोशिश की। सर्व समाज ने इस घटनाक्रम को गंभीरता से लिया है और प्रदेशव्यापी बंद, धरना का आयोजन किया था। उन्होंने सरकार से मांग की है कि धर्मांतरण पर नियंत्रण के लिए सख्त कानून लागू किया जाए, और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इस दौरान काफी संख्या में सर्व समाज के लोग उपस्थित रहे।

जहरीले दवा का सेवन किए युवक की इलाज दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम भिट्ठीकला का बृजपाल पिता सुखदेव गोड़ 23 वर्ष, बीते 7 दिसम्बर को जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया, उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस को दिए गए बयान में पिता ने बताया है कि उसका पुत्र शराब पीने का आदी था और कामधाम नहीं करता था। घटना दिनांक को सभी खाना खाकर सो गए थे, इस बीच बृजलाल घर नहीं आया था। रात को करीब 8 बजे लघुशंका के लिए बाहर निकला तो बृजलाल घर के पीछे आग के पास बैठकर उल्टी कर रहा था। पास में ही कीड़ा मारने का एक डिब्बा फेंकाया हुआ था। पूछताछ करने पर वह कुछ नहीं बताया। उसके मुह से शराब का महक आ रहा था। परिवार के सदस्यों के सहयोग से वह अपने पुत्र को होली क्रॉस अस्पताल लेकर पहुंचा, यहां इलाज के दौरान 23 दिसम्बर की शाम को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

युवक फांसी लगाकर खुदकुशी किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम ठाकुरपुर में एक युवक फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। पुलिस ने बताया घटना के दौरान मृतक जाधिर तिर्की पिता स्व. हरिराम 28 वर्ष घर में अकेले था। स्वजन मजदूरी करने के लिए गए थे। काम करके शाम को करीब सात बजे जब वे घर वापस लौटे तो युवक फांसी पर लटका था। इसकी सूचना गांधीनगर थाना में देने पर पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा, पोस्टमार्टम कराया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है, और अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

पॉलीटेक्निक में निःशुल्क डेंटल चेकअप शिविर का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासकीय पॉलीटेक्निक की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं सिटी डेंटल हॉस्पिटल, के संयुक्त तत्वावधान में संस्था परिसर में निःशुल्क डेंटल चेकअप शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन को दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा समय रहते दांतों से संबंधित समस्याओं की पहचान करना था। शिविर में दंत चिकित्सक डॉ. पल्लवी शुक्ला एवं डॉ. निक्की सिंह ने अपनी सेवाएं दी। उन्होंने दंत स्वास्थ्य पर आयोजित सेमिनार के माध्यम से सही ब्रशिंग तकनीक, नियमित दंत जांच की आवश्यकता तथा दंत रोगों से बचाव से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस मौके पर उपस्थित अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं का निःशुल्क डेंटल चेकअप करके आवश्यकता अनुसार दवाइयों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य आर.जे. पांडेय ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे आयोजन दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी हैं तथा समाज में

सकारात्मक संदेश देते हैं। उन्होंने निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर को एक सराहनीय पहल बताया। कार्यक्रम का सफल संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अमित कुमार बघेल व व्याख्याता माधुरी तिग्गा ने किया। शिविर के दौरान एनएसएस स्वयंसेवक युवराज, अभिषेक, दिव्या एवं संस्कृति ने पंजीकरण, व्यवस्था प्रबंधन एवं सहयोग कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भाग लेकर लाभ उठाया। अंत में सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान करके सम्मानित किया गया।

उचित मूल्य की दुकानों से 64.94 लाख का राशन गबन करने के मामले में दो और गिरफ्तार

तीन आरोपियों को पूर्व में भेजा गया था न्यायिक रिमांड पर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के घुटरापारा में स्थित उचित मूल्य की दुकानों में गबन के मामले में दो और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, तीन आरोपियों को पूर्व में न्यायिक रिमांड पर पुलिस ने भेजा था। जानकारी के मुताबिक शिव कुमार मिश्रा पिता सुरेन्द्र प्रसाद मिश्रा, कार्यालय कलेक्टर खाद्य शाखा अंबिकापुर ने 07.10.2025 को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि सहायक खाद्य अधिकारी, के साथ मिलकर जनकल्याण खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति, घुटरापारा के माध्यम से संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान का संयुक्त रूप से जांच करने पर माह सितम्बर 2022 एवं 31 मार्च 2024 की स्थिति में सभी दुकानों में चावल 1631.29 क्विंटल राशि 61,62,267.96 रुपये, शक्कर 10.43 क्विंटल राशि 49,160.62 रुपये तथा चना 48.34 क्विंटल राशि 2,92,692.09 रुपये कुल खाद्यान्न राशि 64,94,120.67 रुपये की कमी पाई गई। जांच में इसके लिए जिम्मेदार उक्त तीनों दुकानों के संचालक, अध्यक्ष पवन सिंह, महिला उपाध्यक्ष, सहायक विक्रेता फरहान सिद्दीकी एवं सैफ अली को पाया गया। रिपोर्ट पर कोतवाली थाना में धारा 420, 409, 120-बी भा.दं.सं. एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 पंजीबद्ध

कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की विवेचना दौरान महिला आरोपिया को 15.10.2025 को, मुकेश यादव को 12.11.2025 को तथा फरहान सिद्दीकी को 04.12.2025 को 13.24 बजे गिरफ्तार करके न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था एवं अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में 23 दिसम्बर को कोतवाली थाना पुलिस को फरार आरोपियों के छिपे होने की सूचना मिली, जिस पर पुलिस टीम ने आरोपी के संभावित ठिकानों पर घेराबंदी करके पवन सिंह पिता स्व. दीप नारायण सिंह 44 वर्ष निवासी घुटरापारा पानी टंकी रोड, सैफ अली पिता इरशाद अली 26 वर्ष, निवासी घुटरापारा पानी टंकी के नीचे को हिरासत में लिया और अग्रिम कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

सरगुजा की विभा चौबे पहुंचीं केबीसी की हॉट सीट तक

साधारण शिक्षिका को अपनी मेहनत, ज्ञान और आत्मविश्वास के बल पर मिली उपलब्धि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले की एक साधारण शिक्षिका ने अपनी मेहनत, ज्ञान और आत्मविश्वास के बल पर असाधारण उपलब्धि हासिल कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। सरगुजा जिले की विभा चौबे देश के सबसे प्रतिष्ठित क्विज शो %कौन बनेगा करोड़पति' (केबीसी) की हॉट सीट तक पहुंचने वाली जिले की पहली महिला बन गई हैं। इतना ही नहीं, वे छत्तीसगढ़ की पहली महिला शिक्षिका होंगी, जो केबीसी के मंच पर हॉट सीट पर बैठकर खेलती हुई नजर आएंगी।

केबीसी द्वारा जारी किए गए पहले प्रोमो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि विभा चौबे 31 दिसंबर और 1 जनवरी को महानायक अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट पर बैठकर सवालों का सामना करती दिखाई देंगी। प्रोमो सामने आते ही सरगुजा जिले सहित पूरे शिक्षा जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है। वर्तमान में विभा चौबे दरिमा गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं। वे वर्षों से छात्राओं को शिक्षा देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही हैं। पढ़ाने के साथ-साथ निरंतर ज्ञान अर्जन की उनकी साधना ही उन्हें केबीसी जैसे राष्ट्रीय मंच तक ले गई। उनकी इस सफलता में परिवार का सहयोग भी अहम रहा है। उनके पति प्रमेंद्र चौबे, मैनपाट मिडिल स्कूल में प्राचार्य के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने हर कदम पर अपनी पत्नि विभा का उत्साह बढ़ाया। शिक्षा से जुड़े इस दंपति की कहानी आज प्रदेश भर के शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बन चुकी है। विभा चौबे की उपलब्धि से छत्तीसगढ़ का शिक्षा विभाग भी गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उन्होंने यह संदेश दिया है कि मेहनत, ज्ञान और आत्मविश्वास के बल पर कोई भी व्यक्ति अपने सपनों को साकार कर सकता है। उनकी यह सफलता विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं, छात्राओं और शिक्षकों को आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रही है। आज विभा चौबे की पहचान केवल एक शिक्षिका के रूप में नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की उस बेटी के रूप में हो चुकी है, जिसने बच्चों को ज्ञान देते-देते खुद इतिहास रच दिया। उनकी यह उपलब्धि सरगुजा जिले के लिए गर्व, शिक्षा जगत के लिए सम्मान और आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बन गई है।

भाजपा अजा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य का जिपं सदस्य राधा रवि को मिला दायित्व

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से भाजपा छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश कार्य समिति की घोषणा की गई है। इसमें जिला पंचायत सदस्य राधा रवि को शामिल किया गया है।

राधा रवि ग्राम पंचायत खम्हरिया, ब्लॉक मुख्यालय उदयपुर की निवासी हैं, जो कम समय में ही राजनीति में कदम रखकर बड़ी-बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। वे बीए ग्रेज्युएटशन के अलाव डिप्लोमा टेक्सटाइल डिजाइनिंग के साथ एलएलबी की हैं।

वर्तमान में सभापति महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य जिला पंचायत सरगुजा का दायित्व निर्वहन कर रही हैं। इसके अलावा अध्यक्ष आराध्या जन सेवा समिति, पूर्व संभागीय सचिव रविदास समाज जन कल्याण समिति सरगुजा, प्रदेश अध्यक्ष सर्व रविदास समाज छत्तीसगढ़ महिला प्रकोष्ठ का दायित्व संभालते हुए समाज को संगठित कर युवा महिला विंग को मजबूत करने की दिशा में वे सशक्त भूमिका निभा रही हें। उन्होंने क्षेत्र में कई ऐसे विकास कार्यों का सफल संचालन किया है। साथ ही महिलाओं, युवाओं और समाज के कमजोर वर्गों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन किया है। समाज में एकता, शिक्षा और जागरूकता बढ़ाने के लिए सरकारी योजनाओं को अधिक से अधिक लाभार्थियों को पहुंचाने हेतु वे प्रयासरत हैं।

पीजी कॉलेज के बैडमिंटन हॉल को खिलाड़ियों और विद्यार्थियों के हित में खोलने की मांग

आजाद सेवा संघ की पहल पर प्राचार्य ने हॉल की साफ-सफाई के दिए निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंतर्गत बनारस रोड पर स्थित बैडमिंटन हॉल को खिलाड़ियों के लिए शीघ्र खोलने की मांग को लेकर बुधवार को आजाद सेवा संघ के प्रतिनिधिमंडल ने महाविद्यालय प्रशासन से मुलाकात की। संघ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा के नेतृत्व में सौंपे गए औपचारिक ज्ञापन में कॉलेज प्रबंधन का ध्यान खिलाड़ियों को हो रही व्यवहारिक समस्याओं की ओर कराया गया है।

संघ के प्रदेश सचिव ने कहा कि वर्तमान में युवाओं के बीच बैडमिंटन के प्रति जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। कॉलेज परिसर में खेल की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद, हॉल का पूर्ण रूप से संचालित न होना समझ से परे है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि संसाधनों का उपयोग नहीं होने की स्थिति में वे जर्जर होने लगते हैं, ऐसे में छात्रहित व खेल भावना को सर्वोपरि रखते हुए बैडमिंटन हॉल को नियमित अभ्यास के लिए अविलंब खोला जाना चाहिए, ताकि प्रतिभाओं को सही मंच मिल सके। महाविद्यालय के प्राचार्य ने आजाद सेवा संघ की मांगों को तर्कसंगत माना। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि कॉलेज प्रशासन खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्राचार्य ने तत्काल निर्देश देते हुए हॉल की साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को जल्द से जल्द दुरुस्त करने कहा। इसके पश्चात इसे खिलाड़ियों और छात्र-छात्राओं के लिए खोल दिया जाएगा। संघ ने कहा कि इससे खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा और वे जिला व प्रदेश स्तर पर शहर का नाम रोशन कर सकेंगे। इस अवसर पर आजाद सेवा संघ के अन्य पदाधिकारी एवं छात्र उपस्थित रहे।

दोपहिया चालकों से जांच के नाम पर अवैध वसूली

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कानून व्यवस्था बनाए रखने और जांच के नाम पर इन दिनों कुछ पुलिसकर्मी अपनी जेब भरने में लगे हैं। शाम के समय विशेषकर जब मजदूरों का काम करके वापस जाना होता है, इस दौरान वसूलीबाज कुछ पुलिस कर्मियों की निगाह ऐसे दोपहिया चालकों पर रहती है, जो दिनभर मेहनत करने के बाद अपने घरों की ओर वापस लौटते हैं। इनसे 50-100 रुपये लेकर जेब भरने की धंधा जोरों से चल रहा है। मेहनतकश मजदूर की तमाम मिन्नतें मुट्ठी में रुपये पकड़ाने तक टिकी रहती हैं। जांच के नाम पर चलने वाली अवैध वसूली इन दिनों बिलासपुर चैक पर कुछ ज्यादा ही हो रही है, जिससे गरीब तबके के मजदूर परेशान हैं। बताया जा रहा है कि पहले तो दोपहिया चालकों को 500 रुपये चालान पटाने के लिए धौंस दिखाया जाता है, बाद में घर में बच्चों और परिवार के लिए सामान ले जाने के लिए रखे 50-100 रुपये लेने के बाद ही इन्हें विदा किया जाता है। ऐसे वसूलीबाज पुलिस कर्मियों पर वरिष्ठ अधिकारियों को ध्यान देने की जरूरत है, जो गरीबों को परेशान करके अपनी जेब भरने में लगे हैं।

सोनार समाज ने मासिक बैठक करके स्व. रामचंद्र स्वर्णकार को दी श्रद्धांजलि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नवीन सर्व सोनार समाज की मासिक बैठक मंगलवार को जिला अध्यक्ष विनोद सोनी के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में समाज को संगठित और इसे विस्तारित करने को लेकर चर्चा की गई। बैठक के शुरूआत में समाज के पुरोधा रहे स्व. रामचंद्र स्वर्णकार को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्हें याद करते हुए समाज के लोगों ने उनके बताए हुए रास्ते में चलने की प्रेरणा ली। समाज की बैठक हर माह के

अंतिम मंगलवार को आयोजित करने का निर्णय इसके विस्तार करने को लेकर बैठक में अनुभवी लोगों ने अपना अनुभव साझा किया। बैठक में शामिल होने पहुंचे समाज लोगों ने एक स्वर में इस बात पर जोर दिया कि समाज को नई दिशा देने के लिए सबसे जरूरी है कि लोग समाज से जुड़ें और सामाजिक गतिविधियों में शामिल हों। नवीन सर्व सोनार समाज का उद्देश्य यही है कि समाज के लोगों को संगठन से जोड़ा जाए, ताकि उसके विकास के लिए काम किया जा सके। नवीन सर्व सोनार समाज की बैठक में इस बात का भी निर्णय लिया गया कि आने वाले दिनों में सभी पदाधिकारी अपने संगठन का विस्तार न सिर्फ जिले बल्कि पूरे संभाग में करेंगे, ताकि लोगों के जुड़ने से संगठन को एक मजबूती मिल सके। बैठक में नवीन सर्व सोनार समाज के संभागीय प्रभारी रघुनाथ सोनी, संभागीय संरक्षक शिवराम सोनी, संभागीय अध्यक्ष सुरेश सोनी, जिला अध्यक्ष विनोद सोनी, नगर अध्यक्ष श्रीप्रकाश सोनी, विजय सोनी, सुरेंद्र सोनी, अशोक सोनी, राजेन्द्र प्रसाद सोनी, विनोद सोनी, अंकुर सोनी, अरुण सोनी, सतीश सोनी, शेखर सोनी, अनूप सोनी के साथ बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर